डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

PG-8

सिनेमाः फिल्मी है 'कॉमेडी किंग' की लव लाइफ जानें उनकी जिंदगी से जुड़े रोचक तथ्य

वर्ष -08 अंक -79 | प्रयागराज, मंगलवार 31 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आर्यन खान ड्रग्स केस की जांच से जुड़े पूर्व एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े का चेन्नई तबादला

मुंबई। भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) के अधिकारी समीर वानखेड़े का चेनन्ई स्थित करदाता सेवा निदेशालय में महानिदेशक के पद पर स्थानांतरण कर दिया गया है। पिछले साल ड्रग्स मामले में अभिनेता शाह रुख खान के पुत्र आर्यन समेत विभिन्न लोगों की गिरफ्तारी के समय समीर नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख थे। एनसीबी ने हाल ही में ड्रग्स-आन-क्रूज केस में आरोप पत्र दाखिल किया है जिसमें आर्यन खान को क्लीन चिट दे दी गई है। एनसीबी द्वारा गठित किए गए विशेष जांच दल ने दावा किया कि वानखेड़े के नेतृत्व में की गई जांच में कई खामियां थीं। इस साल की शुरुआत में एनसीबी में कार्यकाल खत्म होने के बाद 2008 बैच के इस आइआरएस अधिकारी को मुंबई स्थित राजस्व खुफिया निदेशालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि वानखेड़े चेनन्ई में अपनी नई तैनाती पर 10 जून को पहुंच सकते हैं। बता दें कि पिछले साल दो अक्टूबर में समीर वानखेड़े और कई दूसरे अधिकारियों ने मिलकर मुंबई इंटरनेशनल पोर्ट टर्मिनल पर कोर्डेलिया क्रूज शिप (जहाज) पर

छापा मारा था। इसी क्रूज पार्टी के दौरान आर्यन खान को ड्रग्स ले जाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस केस में आर्यन खान को 26 दिनों तक जेल में रहना पड़ा था। गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को क्रूज ड्रग्स मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा दायर की गई चार्जशीट से आर्यन खान का नाम हटा दिया गया है। एनसीबी ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। आर्यन खान समेत छह लोगों को सबूत नहीं मिलने के कारण क्लीन चिट दे दी गई है।

पहाड़ी गांधी बाबा कांशी राम की याद में शुरू हुई यह प्रतियोगित मंत्री बिक्रम ने कही यह बात

परागपुर। उद्योग एवं परिवहन मंत्री बिक्रम ठाकुर ने रविवार को जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र के कोटला बेहड़ में बाबा कांशीराम स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए बिक्रम ठाकुर ने कहा कि खेलों से जुड़े व्यक्ति में अनेक प्रकार के गुण स्वतः ही आ जाते हैं जिसके कारण खेलों के माध्यम से ही सम्पूर्ण व्यक्तित्व निर्माण सम्भव है। खेल ना केवल युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं अपितु मानसिक रूप से भी उन्हें सशक्त बनाते हैं। बकौल बिक्रम, खेलों को बढ़ावा देने से युवा ना केवल नशा एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों से बचते है अपितु समाज में एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है। पहाड़ी गांधी बाबा कांशीराम का नाम स्वतंत्रता सेनानियों में प्रमुखता से लिया जाता है। उनका संबंध जसवां परागपुर विधान सभा क्षेत्र के डाडासीबा से है। आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष में उनके नाम से यह प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिससे क्षेत्र के युवा उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत के युवा सहभागिता दर्ज करवा रहे हैं जिसमें अभी तक 60 टीमें पंजीकृत हो चुकी हैं और अन्य टीमें भी आ रही हैं। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को 41000 रुपए, उपविजेता को 21000 रुपए एवं तृतीय व चतुर्थ

स्थान पर आने वाली टीमों को 11000 व 5100 रुपए दिए जायेंगे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एलईडी टीवी दिया जाएगा। बिक्रम ठाकुर ने क्षेत्र के युवाओं से इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि जसवां परागपुर खेल के क्षेत्र में भी प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन करे , इसके लिए वह युवाओं को हर व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रसिद्ध हिमाचली कलाकार मोहित गर्ग के साथ सुरेंद्र कपूर, राखी गौतम, प्रिन्स गर्ग व अन्य स्थानीय कलाकारों ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम से पूर्व उद्योग मंत्री ने कोटला बेहड़ महाविद्यालय में स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। उद्योग मंत्री ने कोटला बेहड में जनसमस्याओं को सुनते हुए अधिकतम का मौक़े पर निपटारा किया तथा शेष के समयबद्ध निवारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कार्यक्रम में एसडीएम देहरा संकल्प गौतम, तहसीलदार जसवां अंकित शर्मा, ज़िला परिषद सदस्य अनु राणा, अश्वनी ठाकुर, युवा मोर्चा अध्यक्ष रिक्की ठाकुर, सुरेश ठाकुर, सुदेश कुमारी, सत्या सूद, हरबंस कालिया, शेर सिंह डोगरा सहित प्रतियोगिता में भाग ले रही टीमों के सदस्य और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पीएम मोदी की अपील का दिखा असर, चारधाम की यात्रा में आ रहा बड़ा बदलाव

रुद्रप्रयाग। तीर्थ स्थलों पर लोगों से स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, तीथ्यात्रियों, सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों ने मंगलवार को केदारनाथ धाम के पास एक स्वच्छता अभियान का आयोजन ने गौरीकुंड, सोनप्रयाग और केदारनाथ के रास्ते में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। भौगोलिक रूप से, सोनप्रयाग केदारनाथ के रास्ते में रुद्रप्रयाग और गौरीकुंड के बीच स्थित है। एएनआई से बात करते हुए, गढ़वाल

किया। उत्तराखंड में चार-धाम यात्रा के दौरान कुछ तीथ्यात्रियों द्वारा फैलाई गई गंदगी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को लोगों से तीर्थ स्थलों की गरिमा बनाए रखने की अपील की थी। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि प्रशासन कचरा प्रबंधन की स्थिति पर लगातार नजर रख रखा है। नतीजतन केदारनाथ और आसपास के इलाकों में फैला कचरा अब साफ हो रहा है। मंगलवार की सुबह जिले के पर्यावरण संरक्षण पर काम करने वाली संस्था सुलभ इंटरनेशनल के प्रशासन और कर्मचारियों ने केदारनाथ क्षेत्र से टन कचरा एकत्र किया। पर्यटकों विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के एक अधिकारी डॉ सर्वेश उनियाल ने कहा, 'इन दिनों, हम तीर्थ स्थलों पर पर्यटकों की भारी आमद देख रहे हैं। इसके बाद, पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रभावित होता है। लोग कूड़े फेंक देते हैं प्लास्टिक को लापरवाही से इधर-उधर फेंकते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह जानकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोगों से तीर्थ स्थलों की गरिमा बनाए रखने की अपील की। ??मुझे लगता है कि हम सभी को पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदारी से काम करना होगा। तीर्थ यात्रा भी तीर्थ सेवा होनी चाहिए।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की आज होगी कोर्ट में पेशी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कोर्ट में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की पेशी की जाएगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सोमवार को गिरफ्तार किए गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ई) ने कोलकाता स्थित कंपनी से जुड़े हवाला की लेन-देन

के एक मामले में उन्हें गिरफ्तार किया है। सत्येंद्र जैन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने सोमवार को कुछ घंटों की पूछताछ के बाद जैन को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत हिरासत में ले लिया दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई गिरफ्तारी से भाजपा व कांग्रेस को आम आदमी पार्टी (आप) को घेरने का मौका मिल गया है। दोनों पार्टियों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जैन को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की है। वहीं, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा है कि पिछले आठ साल से जैन के खिलाफ फर्जी केस चलाया जा रहा है और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी जैन को वहां हार के डर से गिरफ्तार किया गया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल दुनिया को ईमानदारी सिखाने चले हैं और उनका मंत्री हवाला कारोबारी बन गया है। पूरे साक्ष्य के साथ उन्हें गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री व जैन को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। मालूम हो कि इससे पहले जनवरी माह में सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने की बात उठी थी। तब उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लिया था। गिरफ्तारी पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया था। उन्होंने कहा था कि अगर भाजपा को लगता है कि हम भी पंजाब के मुख्यमंत्री की तरह चनने जी की तरह डर जायेंगे तो वो गलत है। मैं चुनौती देता हूं भाजपा को कि वह ईडी के साथ-साथ सीबीआई इनकम टैक्स सबको भेज दें, हम किसी से नहीं डरते। इसी मामले में इससे पहले सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया था। उन्होंने पंजाब से चुनाव प्रचार के बाद लौटते ही केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हमें सूत्रों से पता चला है कि भाजपा सरकार हमारे स्वास्थ्य मंत्री को गिरफ्तार करवा सकती है।

कोयला आधारित 81 बिजली संयंत्रों से उत्पादन घटाया जाएगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कोयले पर आधारित 81 बिजली संयंत्रों से उत्पादन में कटौती की योजना बना रही है। बिजली मंत्रालय के एक पत्र के अनुसार, उत्पादन में यह कटौती अगले चार वर्षों में की जाएगी। केंद्र और राज्य सरकारों के ऊर्जा विभागों भेजे पत्र में कहा गया है कि इस योजना का मकसद हरित ऊर्जा की संभावनाओं को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देना और लागत में कमी लाना है। हालां कि पुराने और खर्चीले बिजली संयंत्रों को बंद नहीं किया जाएगा। देश में कोयले पर आधारित 173 बिजली उत्पादन संयंत्र है। मंत्रालय ने 26 मई को लिखे पत्र में कहा कि थर्मल पावर प्लांट भविष्य में सस्ती नवीकरणीय ऊर्जा को समायोजित करने के लिए तकनीकी पर काम करेंगे। मंत्रालय ने यह पत्र ऐसे वक?त में लिखा है जब बीते अप्रैल में देश गंभीर बिजली संकट का सामना कर चुका है। अप्रैल में बिजली की मांग में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई थी जिससे कोयले की मांग में भी इजाफा हुआ। इस स्थिति ने सरकार की कोयले के आयात पर लगाम लगाने की योजना पर पानी फेर दिया था। रात के दौरान जब सौर ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती है ।

सुक्खू की सभा में हंगामा, महिला बोली वीरभद्र समर्थक होने पर हो रही अनदेखी

गलोड़। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की प्रचार कमेटी का प्रमुख बनने के बाद से नादौन के विधायक सुखविंदर सिंह सुक्खू अधिक सक्रिय हो गए हैं। वह प्रदेश सहित अपने विधानसभा क्षेत्र में भी लगातार जनसभाएं कर रह रहे हैं, लेकिन रविवार को उन्हें अपने ही विधानसभा क्षेत्र में विरोध का सामना करना पड़ा। दरअसल गलोड़ में रविवार को नादौन के विधायक सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जनसंपर्क अभियान के तहत कार्यक्रम रखा था। इस दौरान तय कार्यक्रम के अनुसार सुक्खू ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों को एकजुटता का संदेश देते हुए इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जुटने का आह्वान किया, लेकिन इस आह्वान की कुछ ही पलों में पोल खुल गई। सुक्खू की जनसभा के समाप्त होते ही मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के निजी सचिव रहे ओंकार सिंह ठाकुर की पतनी ने मंच पर कांग्रेस की एकजुटता की पोल खोल दी। उन्होंने सुक्खू को खरी खोटी सुनाते हुए कहा

कि...क्या आप हमें नहीं जानते कि हम राजा वीरभद्र सिंह के खेमे से जुड़े हैं, इसलिए आप ने अपने संबोधन में हमारा नाम तक नहीं लिया। शायद हमें दरकिनार किया जा रहा है। हम भी कांग्रेस विचारधारा के हैं। मंच पर हंगामा होते देख कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मामले को शांत करने की कोशिश की ताकि मामला और न बिगड़ जाए। लेकिन महिला नहीं रुकी और उसने कहा कि हमारी अनदेखी हो रही है। हालांकि सुक्खू ने महिला को आश्वस्त किया कि ऐसा नहीं है, फिर भी आपको पूरा सम्मान दिया जाएगा। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद सुक्खू यहां आए और इस तरह की कलह कांग्रेस के लिए ठीक नहीं है। कांग्रेस के लिए मंच पर इस प्रकार का हल्ला बोलना शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। प्रदेश में इस साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट कर रही है, लेकिन इस तरह गुटों में बंटी कांग्रेस के लिए पहले अपनों से लड?ा ही चुनौती बना रहेगा।

हासन जिले में उपद्रवियों ने 'मिनी तिरुपति' मंदिर की मूर्तियों को तोड़ा

बेंगलूरु। कर्नाटक के हासन जिले में अरासिकेरे तालुक में उपद्रवियों द्वारा मंगलवार को एक मंदिर में मूर्तिच्यों को तोड़े जाने के बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। यह घटना मालेकल्लू तिरुपति हिल के प्रदर्शनी केंद्र में हुई। 300 साल पुराने इस पवित्र स्थान को चिक्का (मिनी) तिरुपति के

नाम से जाना जाता है। मंदिर एक पहाड़ी के ऊपर अरसीकेरे शहर से दो किलोमीटर दूर स्थित है और इस क्षेत्र के लोगों द्वारा पूजनीय है। पुलिस के अनुसार, कम से कम चार बदमाशों ने मूर्तियों को तोड़ दिया, जो स्थापना के लिए तैयार थीं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को मंदिर परिसर में आए बदमाशों ने पहले कल्याणी (मंदिर का पवित्र जल निकाय) में सनन किया। उसके बाद उन्होंने आपत्ति के बावजूद धूम्रपान किया और परिसर में काम कर रहे मजदूरों को धमकाकर भगा दिया। बाद में, वे प्रदर्शनी केंद्र गए और उन मूर्तियों को तोड़ दिया जो स्थापना के लिए तैयार थीं और कुछ मंदिर परिसर में स्थापित होने के लिए निर्माणाधीन थीं। बदमाशों ने मूर्तियों को तोड़ने के लिए राड और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक आर. श्रीनिवास गौड़ा और जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। डाग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट ने बदमाशों के खिलाफ सबूत इकट्ठा किए। मालेकल्लू तिरुपति हिल के प्रदर्शनी केन्द्र में मूर्तियों को तोड़ने की खबर फैलने के बाद हिंदू कार्यकर्ता और सैकड़ों की संख्या में लोग मंदिर परिसर में जमा हो गए। लोगों की भीड़ को देखकर पुलिस ने मंदिर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी है और अरसीकेरे तालुक में भी सतर्कता बरत रही है।

दिल्ली में आंधी और वर्षा ने मचाई जमकर तबाही, बिहार में यलो अलर्ट, जानें- आपके राज्य में कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार शाम आई आंधी और वर्षा ने जमकर तबाही मचाई। 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा ने भयंकर रूप दिखाया। मौसम विभाग के मुताबिक वर्ष 2018 के बाद से दिल्ली में 'गंभीर' तीव्रता का यह पहला तूफान है। देश में

मानसून के प्रवेश के पहले ही राजस्थान से लेकर बांग्लादेश तक बनी ट्रफ लाइन कमाल दिखा रही है। इसका असर बिहार में भी दिखने वाला है। बिहार के अधिसंख्य जिलों में अगले 24 घंटे में तेज आंधी के साथ बारिश होने के आसार हैं। पूर्वी बिहार के कुछ जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहां लोगों को सावधान रहने को कहा गया है स्काईमेट वेदर के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय के पास आ रहा है और यह तीन दिनों तक बना रहेगा और पहाड़ियों तक सीमित रहेगा। हालांकि, पाकिस्तान और इससे सटे राजस्थान और हरियाणा के कुछ हिस्सों पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इस सिस्टम से उत्तर पश्चिमी भारत से लेकर पूर्वी भारत तक एक ट्रफ रेखा चल रही है। उत्तर भारत की पहाड़ियों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित कुछ बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम की ये गतिविधियां बहुत तीव्र नहीं होंगी लेकिन कम से कम 2 से 3 दिनों तक जारी रहेंगी। स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज लक्षद्वीप, सिक्किम और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश के 'साथ एक स्थानों पर भारी बारिश संभव है।

समाधान दिवस में फरियादियों की जुटी भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थाना फूलपुर परिसर में समाधान दिवस की अध्यक्षता सीओ रामसागर ने करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जन समस्याओं के प्रति गंभीर है। लिहाजा पुलिसकर्मी दरखास्तों की पड़ताल गहनता से करें। जमीनी विवाद ही बड़े क्राइम की जड़ बन रहे हैं। आज के दिवस पर लोग खाकी के पास कुछ उम्मीद लेकर आते हैं। इधर कई वर्षों के बाद आज बंपर भीड़ दिखी। समस्त राजस्व कर्मी भी रहे। खास बात यह रही की सरकार ने महिलाओं की बात सुनने को तरजीह की है। अतः अब महिलाएं कसरत से आने लगी है। कुल 18 दरखास्ते आई। जिन्हें इन्द्राज करके संबंधितों को दे दिया गया। तीन पुलिस से संबंधित तुरंत निस्तारित कर दिए गए। कई जगह तो एस एच ओ अमित कुमार राय ने तत्काल पुलिस टीम रवाना कर दी। सीओ राम सागर तथा थानाध्यक्ष ने 2 बजे से ज्यादा समय दिया। आज के समाधान दिवस में कप्तान के आने की सूचना के चलते भीड़ बढ़ गई थी। मौके पर चौकी इंचार्ज विनय कुमार मिश्र, माजिद खान, सुनील प्रसाद, जय सिंह यादव, सुभाष गौतम, राजेश वर्मा आदि के अलावा अधिकांश लेखपाल व कानूनगो मौजूद रहे।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद,जनपद- सीतापुर में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरुकता अभियान कार्यक्रम का किया गया संचालन

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। इस अभियान अंतर्गत आज संस्थान में सड़क सुरक्षा एवं यातायात से संबंधित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खैराबाद,जनपद- सीतापुर में प्राचार्य/ उप शिक्षा निदेशक श्री अजीत कुमार जी एवं संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता श्री शुभम शुक्ला जी के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरुकता अभियान कार्यक्रम संचालित किया गया। इस अभियान अंतर्गत आज संस्थान में सड़क सुरक्षा एवं यातायात से संबंधित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती माला बाजपेई प्रशासन उपस्थित रही। इस कार्यशाला के अंतर्गत सर्वप्रथम एआरटीओ महोदया एवं वरिष्ठ प्रवक्ता के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तथा प्रशिक्षुओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए।सड़क सुरक्षा के नोडल अधिकारी संस्थान के प्रवक्ता श्री ईश महान शुक्ल के द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। तत्पश्चात संस्थान के ही वरिष्ठ प्रवक्ता श्री शुभम शुक्ला जी के द्वारा प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए यातायात नियमों का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम में आगे सड़क सुरक्षा पर प्रशिक्षुओं द्वारा एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। एआरटीओ महोदया द्वारा प्रशिक्षुओं को सड़क सुरक्षा विषय पर जागरूक करते हुए उनसे जनपद के अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

बिजली का पोल दे रहा है मौत की दावत नगर निगम की लापरवाही से कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

प्रयागराज। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने कई बार नगर निगम से इस खंभे को हटाने के लिए के कहां फिर भी इनकी आंखें नहीं खुल रही है कुंभकरण की नींद सोए हुए हैं नगर निगम के अधिकारी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं नगर निगम बहादुरगंज जीटी रोड शिवाजी पार्क ऊंचा मंडी के पास बिजली का पोल पूरी तरीके से एक तरफ झुक गया है नीचे से पूरा खोखला हो चुका है कभी भी यह गिर सकता है ट्राफिक काफी रहती है इस रोड पर बड़ी दुर्घटना होने की संभावना नगर निगम द्वारा स्ट्रीट लाइट लगी थी उसको निकाली गई खंबा अभी तक नहीं हटाया गया कृपया करके बिजली के पोल को तत्काल निकलवा दिया जाए।

अभियुक्त तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थानाध्यक्ष फूलपुर अमित कुमार राय के नेतृत्व में उप निरीक्षक

विनय कुमार मिश्र मयपुलिस टीम द्वारा दिनांक 29 मई 2022 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त खुर्शीद पुत्र अब्दुल रशीद निवासी करमा बाजार थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया तथा आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक विनय कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक सुभाष गौतम, कां0सत्रजीत सिंह, कां0 सौरभ सिंह आदि रहे।

अधिवक्ता संघर्ष समिति ने अधिकारियों की गैर हाजिरी पर व्यक्ति की चिंता.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। अधिवक्ता संघर्ष समिति के अध्यक्ष शमीम अहमद एडवोकेट ने कैंपस में एक बैठक कर तहसील की गिरती साख पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जब जिम्मेदार एसडीएम व तहसीलदार ही नहीं रहते तो कर्मचारियों की पौ बाहर रहती है। उन्होंने कहा कि नित्य आना-जाना अधिवक्ताओं पर बोझ बढ़ रहा है। उच्च न्यायालय द्वारा तीन महीनों में वाद निस्तारित करने की खिल्ली उड़ाई जा रही है। इसके चलते अधिकारियों की अधिक फजीहत हो रही है। जो काफी दूर से चलकर आते हैं।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर झूंसी

फूलपुर।जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर थाना झूंसी, सरायइनायत एवं उतरांव पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुना तथा सम्बंधित राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर निस्तारण के लिए भेजा। उन्होंने राजस्व विभाग तथा पुलिस टीम को निर्देशित किया कि जो भी आवेदन आ रहे है, उसका 3 दिनों में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। जनता की शिकायतों में लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सर्वप्रथम झूंसी थाने पहुंचे।

आंधी ने विद्युत व्यवस्था को किया छिन्न-भिन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बीती शाम तेज रफ्तार से आई चक्रवातीय आंधी नुमा तूफान ने जहां तमाम पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। वहीं विद्युत व्यवस्था धड़ाम हो गई। खंसार उप केंद्र की थर्टी थ्री का पोल 220 महावीरन के पास गिरा तो उसको बनने में पूरी रात तथा शनिवार दोपहर हो गया। परंतु विद्युत व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी। मौके पर एसडीओ प्रांजल मिश्रा, जेई बृजराज राम तथा समस्त उप केंद्र कर्मी जी जान से जुटे रहे। परंतु शनिवार शाम 4 बजे तक बिजली बहाल नहीं हो पाई लोग बूंद-बूंद पानी को तरस गए।

बेढ़नगे ब्रेकर पर दो ट्रके भिड़ी, एक घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर मुबारकपुर रोड के कुतुबपुर गांव के सामने नहर विभाग की टूटी पुलिया को बचाने हेतु लो0 नि0 वि0 खंड 4 द्वारा बेढ़न्गा ब्रेकर मेडी जैसा बधवां दिया गया है। जिस पर तेज रफ्तार चित्रकूट से मोरंग बालू लादकर फैजाबाद की ओर जा रही दो ट्रक आपस में शनिवार सुबह 6 बजे भिड़ गई। जिसमें एक चालक ओमप्रकाश घायल हो गया। जिसे इलाज हेतु भेजा गया। क्षतिग्रस्त ट्रक दुर्घटना स्थल पर खड़ी है जिसका कोई पुरसाहाल नहीं है।

आज किसान गोष्ठी का आयोजन.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। पानी की टंकी पर आयोजित किया गया था देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का लाइव संबोधन इफ्को कम्पनी इकाई कलोल से किया गया था जिसका लाइव प्रसारण एग्रीजक्शन कृषि केन्द्र प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा किसानों को प्रधानमन्त्री जी का सम्बोधन दिखाया गया इफको के क्षेत्रीय वरिष्ठ विपणन अधिकारी डॉ विवेक दीक्षित लाइव संदेश दिया भारत के प्रधानमन्त्री श्री मोदी जी ने किसानों को नैनो तरल यूरिया की जानकारी एवं भविष्य में किसानों को खेतों की रामबाण साबित होगी जिसके उपयोग से किसानों की आय दोगुनी होगी फसल उत्पादन दोगुना होगा इस तरह सहकारिता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई एग्री जंक्शन कृषि केन्द्र प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने सभी किसानों को धान की नर्सरी एव बीज की चैन की जानकारी जैविक खेती एवं हरी खाद की जानकारी खेती के साथ

पशुपालन जरूर करें किसान इस तरह किसानों को अभिवादन करते हुए गोष्ठी में आए हुए किसानों को सम्मानित किया गया गोष्ठी में उपस्थित प्रगतिशील किसान श्री राम सिंह पटेल अनिल मौर्य राम सजीवन प्रभा शंकर शुक्ला ज्ञान चंद्र यादव दिनेश कुमार कुसुम देवी रीता कुमारी रमा शंकर हंसराज बीएलपी पटेल सतीश कुमार आदि।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर झूंसी, सरायइनायत एवं उतरांव थाने में सुनी जनता की समस्यायें

प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु तत्काल राजस्व एवं पुलिस टीम का गठन कर मौके पर किया रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
विशाल गुप्ता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर थाना झूंसी, सरायइनायत एवं उतरांव पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुना तथा सम्बंधित राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर निस्तारण के लिए भेजा। उन्होंने राजस्व विभाग तथा पुलिस टीम को निर्देशित किया कि जो भी आवेदन आ रहे है, उसका 3 दिनों में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। जनता की शिकायतों में लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सर्वप्रथम झूंसी थाने पहुंचे, वहां पर राजस्व से सम्बंधित अवैध अतिक्रमण तथा एक ही जमीन पर दो लोगो को अलग-अलग रजिस्ट्री का प्रकरण संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी फूलपुर को सम्बंधित मामलें की जांच कर आख्या देने के निर्देश दिये है। झूंसी दी गयी तथा तत्काल वरासत को चढ़ाने के निर्देश भी दिये। इसी क्रम में वरईपुर के लेखपाल को भी वरासत न चढ़ाने की शिकायत पर कड़ी चेतावनी दी गयी है तथा निर्देशित

में वरासत न चढ़ाने के कारण लेखपाल राधेश्याम को कड़ी चेतावनी किया कि वरासत के मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इसी क्रम में उन्होंने सरॉयइनायत थाने पर आयी शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल टीम का गठन कर मौके पर रवाना किया। तत्क्रम में जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उतरांव थाने पहुंचे, वहां पर भूमिधरी पर अवैध कब्जा तथा सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण की शिकायतें प्राप्त हुई, जिसपर जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आवेदनों को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल वहां पर भी शिकायतों के निस्तारण करने के लिए नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों एवं पुलिस टीम बनाकर मौके पर निस्तारण हेतु रवाना किया तथा जो भी आवेदन प्राप्त हो, उसका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 जून 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

जनसम्पर्क विभाग पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी

समूचा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है-अपर महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। अपर महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे अमित कुमार अग्रवाल ने आज शनिवार को अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भारतेंदु सभा कक्ष में मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय एवं शाखाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक अग्रवाल ने वाराणसी मंडल द्वारा पहली बार ऑनलाइन प्रकाशित पत्रिका ठकाशी प्रतिबिंबठ का आभाषी माध्यम से

विमोचन किया। उन्होंने कहा समूचा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इन्हीं आयामों में एक भाषा भी है जो अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। यह पत्रिका देखकर मुझे लगता है कि हमारे रेल कर्मी भारतीय रेल के विभिनन्न जटिल पहलुओं में महारत प्राप्त कर रेल संचालन के साथ-साथ साहित्य सृजन में भी दक्ष हैं। रचनाकार रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को मैं बधाई देता हूँ अपर महाप्रबन्धक अग्रवाल ने बैठक का आरंभ आपदा राहत के लिए कार्यवाई बिंदुओं पर क्रमवार परिचर्चा से की। उन्होंने रेल अवपथन एवं दुर्घटनाओं के समय न्यूनतम समय में दुर्घटना स्थल पर पहुँचने, घटना की सटीक रिपोर्टिंग व मानिटरिंग करने, दुर्घटना राहत यान एवं सहायता दल को घटना स्थल पर पहुँचाने, रणनीति बनाकर परिस्थितियों को ठीक करने, आवश्यकता अनुसार हाइड्रोलिक एवं क्रेन की व्यवस्था करने, अतिरिक्त क्रेन ऑपरेटर एवं राहत कमिन्यों की व्यवस्था रखने, दुर्घटना साईट के इंचार्ज एवं कर्मचारियों को यथोचित विश्राम हेतु बैकअप देने, दुर्घटना के प्रभाव में अटकी यात्री गाड़ी के यात्रियों को राहत सामग्री पहुँचाने, वैकल्पिक व्यवस्था कराकर यात्रियों को उनके गन्तव्य के लिए रवाना करने,रिस्टोरेशन में लगने वाले समय का सही अनुमान लगाने एवं अप्रत्याशित स्थिति हेतु अतिरिक्त समय रखने, मल्टिपल ˜गैंग तथा हाइड्रोलिक ळ्ँ को सदैव तैयार रखने एवं आवश्यकतानुसार हाई केपेसिटी क्रेन प्रयोग करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त अपरमहाप्रबंधक ने सभी विभागों के अधिकारीयों को आपदा की स्थिति में साईट पर पहुँचने और रिस्टोरेशन में सहायक भूमिका निभाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने एक्सिडेंटमैन्युअल के अनुसार विभागवार दायित्व के निर्वहन एवं जिम्मेदारी के बारे में विस्तार से बताया। अपर महाप्रबन्धक श्री अग्रवाल ने वाराणसी मंडल के न्यायालय में चल रहे विभिनन्न वाणिज्यिक लाइसेंसिंग,भूमि लाइसेंसिंग एवं केन्द्रीय औद्योगिक विवाद न्यायाधिकरण केसों का संज्ञान लिया और सम्बंधित को निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कार्यान्वयन अपील की प्रतीक्षा में स्थापना अतिक्रमण के मामलों का संज्ञान लिया और सम्बंधित को दिशा निर्देश दिया। उन्होंने मंडल से गुजरने वाली गाड़ियों की समयबद्धता में सुधार लाने हेतु दिशा-निर्देश दिया। समीक्षा बैठक के दौरान संरक्षा मदों, समयपालन, माललदान, ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का संचलन, खर्चों पर नियंत्रण, रेल खंडो एवं लूप लाइन की गति बढ़ाने के संबंध में चर्चा की गयी। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) ज्ञानेश त्रिपाठी ,अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) एसपी,एस, यादव, अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) राहुल श्रीवास्तव , वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री राकेश रंजन,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर तृतीय श्री अनुज वर्मा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (र्ें) एस पी श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (र्ध्इ)अलोक केसरवानी,वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती प्रीती वर्मा,वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर त्रयम्बक तिवारी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा0 अभिषेक, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी आशुतोष शुक्ला,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर ए0के0 सिंह,वरिष्ठ मंडल आंकड़ा प्रबंधक एस0एन0 राम,वरिष्ठ मंडल भण्डार प्रबंधक ए0के0 जायसवाल, विधि अधिकारी राहुल श्रीवास्तव, राजभाषा अधिकारी श्री ज्ञानप्रकाश राय एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे अशोक कुमार जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार अपर महाप्रबंधक श्री अमित कुमार अग्रवाल गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग-नौतनवां एक्सप्रेस में लगे अपने निरीक्षण यान से वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय)श्री राकेश रंजन एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के अधिकारीयों के साथ वाराणसी से गोरखपुर तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के लिए रवाना हुए ।

थानों में फरियादियों के साथ विनम्रतापूर्वक व्यवहार किया जाय-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कन्धई में पहुँचकर शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना। थाना समाधान दिवस में

शिकायतकर्ता शोभा देवी निवासी कांपामधुपुर ने भूमिधरी भूमि विवाद के,जीतलाल निवासी सरसीडीह ने भूमि विवाद, सुशील कुमार निवासी साल्हीपुर कंजास ने चकमार्ग खाली करने के लिये, राम किशुन निवासी ग्राम अस्थरा ने रास्ता खाली करने के लिये तथा कन्हैया सिंह निवासी बनी ने जमीन सीमांकन के सम्बन्ध में अपनी-अपनी शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की।इसी प्रकार अन्य शिकायतकर्ताओं ने भी अपने-अपने शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये।प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित क्षेत्र के राजस्व कर्मी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर शिकायतों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया और कहा कि सम्बन्धित स्थल पर जाकर दोनो पक्षों की उपस्थिति में शिकायतों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि थानों में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये और शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध रूप से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाये, शिकायतकर्ताओं का अनावश्यक रूप से कदापि न परेशान किया जाये, जो भी फरियादी थाना समाधान दिवस में आये उनकी शिकायत को विधिवत तरीके से सुने और जल्द से जल्द शिकायतों का निस्तारण करें। थाना समाधान के अवसर पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि थानों में जो भी फरियादी अपनी शिकायतें लेकर आये उनके साथ विनम्रता पूर्वक व्यवहार किया जाये। थाना समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थाना स्तर पर शिकायतों का निस्तारण न होने पर शिकायतकर्ता अपनी शिकायतें जनपद स्तर पर ले जाता है इसलिये थाना स्तर पर जो भी शिकायत प्राप्त होती है उसको गम्भीरता से लें और मौके पर जाकर निस्तारण करायें। जिलाधिकारी ने थाना परिसर का निरीक्षण भी किया एवं निष्प्रयोज्य गाड़ियों का शासनादेश के अनुसार निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया।

नारी गुरुकुल प्रयागराज की अध्यक्षा डॉ स्नेह सुधा के.पी..ग इं कॉलेज की प्रवक्ता का उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । को नारी गुरुकुल के तत्वावधान में 16/9 थार्नहिल रोड चौराहा सिविल लाइन्स के काफी अड्डा परिसर में स्थित सभागार में

निःशुल्क बालिका शिक्षा का एक बृहद् कार्य क्रम आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, गणपति वंदन एवं सरस्वती वंदना से किया गयर्निारी गुरुकुल प्रयागराज की अध्यक्षा डा. सन्हे सुधा ने अतिथि मण्डल का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा वर्तमान संदर्भ में बालिका शिक्षा की सार्थकता को रेखांकित किया उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि पूर्व में अशिक्षा एवं पुरूष प्रधान समाज होने के कारण बालिका को अपने कर्तव्य तो पता होते थे परंतु अधिकार नहीं परंतु आज की नारी अपने कर्तव्य एवं अधिकार दोनों के प्रति सजग है तभी तोःखडी सफलता की मंजिलों पर वह शान से मुस्करा रही नदी के जैसे बना के रस्ता मुकाम अपना वो पा रही है उन्होंने कहा कि उनकी संस्था नारी गुरुकुल माननीय मोदी जी एवं योगी जी की मिशन बालिका और उसके सर्वांगीण विकास की प्रबल पक्षध।

मुबारकपुर फीडर की ट्राली हुई जाम आपूर्ति में बाधा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। खंसार विद्युत उपकेंद्र का मुबारकपुर फीडर तकनीकी खराबी के चलते जाम हो गया। जिसके कारण पूरी ट्राली इन आउट नहीं हो रही है। स्थानीय कर्मचारी किसी प्रकार से इनकमिंग द्वारा सप्लाई दे रहे हैं। यदि लाइन फाल्ट किसी फीडर पर आता है तो इनकमिंग से आपूर्ति बंद कर दी जाती है। जिसके कारण दूसरा फीडर जो ठीक-ठाक है वह भी बंद हो जाता है। वर्कशॉप के कारीगर इस खराबी हेतु बुलाए जाते हैं परंतु आज तक मिस्त्री नहीं पहुंचे। जिससे इनकमिंग फीडर पर भी खतरा मंडरा रहा है।

न्यू ई-पेंशन पोर्टल की कार्यशाला का किया गया आयोजन,दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देशन में आगामी माहों में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के पेंशन प्रकरण को आनलाईन अग्रसारित किये जाने की प्रक्रिया की जानकारी विभागों को कराये जाने के दृष्टिगत न्यू ई-पेंशन पोर्टल की एक कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में जनपद के समस्त विभागों के अधिकारी/पेंशन पटल सहायक उपस्थित रहे। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ कोषाधिकारी दीपक बाबू ने कहा कि न्यू ई-पेंशन पोर्टल का शुभारम्भ मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 01 मई 2022 को किया जा चुका है जिसके द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय कर्मचारियों की पेंशन व अन्य देयकों के भुगतान में होने वाले अनावश्यक विलम्ब को दूर करते हुये सेवानिवृत्त के समय ही समस्त भुगतान सुनिश्चित करने हेतु न्यू पेंशन पोर्टल के द्वारा पेंशन स्वीकृति की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है। इस प्रक्रिया में सेवारत कार्मिक सेवानिवृत्त के छः माह पूर्व अपनी लागिन आई0डी0 से पेंशनर फार्म भरकर अपने कार्यालयाध्यक्ष को आनलाईन भेज देगा, तत्पश्चात् सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी फार्म को पेंशन निर्गतकर्ता अधिकारी को भेज देगें। यह प्रक्रिया पूरी तरह से पेपरलेस है। पेंशनर अथवा डी0डी0ओ0 को कोई भी प्रपत्र कहीं नही भेजना है। पेंशनर को सेवानिवृत्त होने के तीन दिवस के अन्दर उपादान तथा राशिकरण का भुगतान आनलाईन ही कर दिया जायेगा। इस प्रक्रिया में प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित किया गया है। कार्यशाला में ई-पेंशन पोर्टल के माध्यम से पेंशन प्रकरण को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में सभी अधिकारियों व पटल सहायकों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ कोषाधिकारी दीपक बाबू, जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन कुमार, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा0 सरोज शंकर राम, जिला होम्योपैथ चिकित्सा अधिकारी डा0 आशुतोष कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर की अटाला मस्जिद में मंदिर होने के साक्ष्य मिटाने का आरोप

जौनपुर। जिले की विवादास?पद मस्जिद अटाला को लेकर वीडियो वायरल होने के बाद से ही प्रदेश भर में हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल अटाला देवी के मंदिर को तोड़कर अटाला मस्जिद बनाने की जानकारी इतिहास में दर्ज है। वहीं पूरी मस्जिद में कई जगह मंदिर के पत?थर लगे हुए हैं और वह परिसर मंदिर होने की गवाही देता रहा है। स?थानीय लोग भी अटाला देवी की मान?यता होने की वजह से वहां श्रद्धा से सिर झुकाते आए हैं। अब काशी विश?वनाथ मंदिर के बगल ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने के बाद से ही जौनपुर की अटाला मस्जिद चर्चा में है। अब वायरल वीडियो में जानकारी सामने आई है

कि मस्जिद में लगे मंदिर के साक्ष?य वाले पत?थरों को घिसकर समतल किया जा रहा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने सोमवार को एक ट्वीट कर कहा है कि जौनपुर की अटाला मस्जिद के संबंध में किसी ने एक वीडियो उनको भेजा है। इसमें उनका दावा है कि अटाला मस्जिद में उत्तरी गेट की बालकनी को हरे पर्दे से ढंककर दीवारों के पत्थरों को ग्राइंडर से चिकना किया जा रहा है और मंदिर का साक्ष्य नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने इसकी जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी जौनपुर को ट्वीट किया है। इस संबंध में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि ट्वीट मिला है। इसकी जांच कराई जाएगी। अभी कुछ दिन पूर्व भी इस तरह की कुछ बातें उठी थीं। एसडीएम को भेजकर जांच कराई गई, जबकि वहां कुछ नहीं मिला था, हालांकि ट्वीट आया है तो इसकी जांच पुरातत्व विभाग से कराई जाएगी। वाराणसी के बाबा विश्वनाथ धाम व ज्ञानव्यापी मस्जिद का विवाद इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ ऐसी ही किवदंतियां जौनपुर में अटाला मस्जिद को लेकर भी है। इसको लेकर कुछ इतिहासकारों ने बताया है कि यहां अटल देवी की मंदिर को तोड़कर अस्टाला मस्जिद बनाया गया है। नगर के सिपाह मोहल्ले में गोमती किनारे स्थित यह मस्जिद पूरे भारतभर में अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। जिले की इतिहास पर लिखी त्रिपुरारि भास्कर की पुस्तक जौनपुर का इतिहास में अटाला मस्जिद के बारे में भी लिखा गया है। जिन्होंने अटाला के नाम के संबंध पर बताया कि लोगों का विचार है कि यहां पहले अटलदेवी का मंदिर था, क्योंकि अब भी मोहल्ला सिपाह के पास गोमती नदी किनारे अटल देवी का विशाल घाट है। इसका निर्माण कननैज के राजा विजयचंद्र के जरिए हुआ था और इसकी देखरेख जफराबाद के गहरवार लोग किया करते थे। यह कहा जाता है कि इस मंदिर को गिरा देने का हुक्म फिरोज शाह ने दिया था परंतु हिंदुओं ने बहादुरी से इसका विरोध किया, जिसके कारण समझौता होने पर उसे उसी प्रकार रहने दिया गया था। अंत में 1364 ई. में ख्वाजा कमाल खां ने इसे मस्जिद का रूप देना प्रारंभ किया और 1408 में इसे इब्राहिम शाह ने पूरा किया। इसके विशाल शिलाओं पर हिंदू शैली के नमूने तराशे हैं, कहीं-कहीं पर कमल का पुष्प उत्कीर्ण है। यह मस्जिद जौनपुर की शिल्पकला का एक अति सुंदर नमूना है। इसके मध्य के कमरे का घेरा करीब 30 फीट है यह एक विशाल गुंबद से घिरी है जिसकी कला, सजावट और बनावट मिश्र शैली के मंदिरों की भांति है। उत्कीर्ण बेलबूटे को देखकर होता है भ्रम : इस बाबत साहित्यकार डाक्टर ब्रजेश कुमार यदुवंशी ने कहा कि जिले में जो भी मस्जिदें बनी है वह स्थापत्य काल का नमूना है। शाही अटाला मस्जिद के पत्थरों में बेलबूटे उत्कीर्ण है, इसको देखकर लोग भ्रम में हो जाते है। इस भ्रम को आधार मानते हुए लोग कहते है कि कभी यहां भी मंदिर रहा होगा। जिले में बौद्धकाल में बहुत सी ऐतिहासिक इमारते थी, अब बौद्धकालीन अवशेष कहीं दिखलाई नहीं पड़ रहे है। बावजूद इसके शाही पुल पर हाथी के ऊपर शेर वाली मूर्ति बौद्धकाल की गाथा को प्रदर्शित कर रहा है।

जन आरोग्य मेला में 23 ने ली दवाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में मैं लहान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को 10:00 से 2:00 दिन तक लगने वाले मेले में डॉ0 विनोद पटेल तथा वीनू की देखरेख में 23 मरीजों ने अपनी समस्याएं बताकर दवाएं ली। डॉक्टर पटेल ने बढ़ते तापमान में लोगों को ओआरएस घोल का उपयोग करने की सलाह दी। बच्चों के लिए कोल्ड ड्रिंक की विशेष पाबंदी रखने की सलाह वीनू द्वारा दी गई। मेले में फार्मेसिस्ट अच्छे लाल पटेल,संध्या, अरुणा सिंह, मीरा, प्रभा, नेहा, बी0 शुक्ला, मोहम्मद नसीम आदि उपस्थित रहे।

भारतीय रेलवे की रेल मदद ऐप' से शिकायतों के निस्तारण में मिला पूर्वोत्तर रेलवे को प्रथम स्थान

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। गोरखपुर,29 मई।माननीय रेल मंत्री श्री अष्विनी वैष्णव ने 67वें राष्ट्रीय रेल पुरस्कार समारोह-2022 के उपलक्ष्य में भुवनेष्वर में आयोजित एक समारोह में 'रेल मदद ऐप' के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के मामले में भारतीय रेल के सभी जोनों में पूर्वोत्तर रेलवे

के प्रथम स्थान पर होने पर महाप्रबन्धक,पूर्वोत्तर रेलवे अनुपम शर्मा एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक संजय मिश्र 'रेल मदद शील्ड' प्रदान कर सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि पूर्वोत्तर रेलवे ने वर्ष 2021-22 में रेल मदद पोर्टल पर कुल 39,087 शिकायत प्राप्त किया तथा सभी का निस्तारण समय से किया गया। 39,087 शिकायतों के निस्तारण के उपरान्त यात्रियों से कुल 17,605 फीड बैक प्राप्त हुए, जिनमें से 11,766 फीड बैक उत्कृष्ट रहें अर्थात कुल 66.83 प्रतिशत उत्कृष्ट रहा। रेलवे यात्री शिकायत निवारण और प्रबन्धन प्रणाली 'रेल मदद ऐप' यात्रियों को मोबाइल फोन या वेब के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है साथ ऐप में फोटो अपलोड करने का भी विकल्प है। एक बार जब यात्री अपनी षिकायत दर्ज कर लेता है, तो उसे भारतीय रेलवे द्वारा की गयी कार्यवाही के बारे में सूचित करने हेतु एस.एम.एस. के माध्यम से एक त्वरित आई.डी. प्राप्त होती है साथ ही 'रेल मदद ऐप' यात्रियों को उनकी षिकायतों के निवारण की स्थिति पर रीयल टाइम फीड बैक देता है। इस ऐप पर विभिनन्न हेल्प लाइन नम्बर प्रदर्शित होता है जैसे- चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर, सुरक्षा नम्बर तथा इसके अतिरिक्त एक आसान चरण में तत्काल सहायता के लिये सीधे काल करने की सुविधा भी प्रदान करता है। पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी मिडिया को बताया कि इटरनेट के इस युग में अब रेलवे तक अपनी शिकायत पहुँचाना बेहद आसान है। इसके अलावा आप अन्य किसी भी प्रकार की शिकायत इसके जरिए कर सकते है। यात्रा के दौरान यात्री पानी, बिजली और साफ-सफाई के लिये शिकायत दर्ज करा सकते है। इसके लिये यात्री को एक ऑन लाइन फार्म भरना होता है, जिसमें शिकायत संबंधी विवरण, घटना की तारीख, कर्मचारी का नाम, घटना स्थल इत्यादि की जानकारी देनी होती है। यात्री इसमें अपनी षिकायत विस्तृत रूप में लिख सकते है।

ज्ञानवापी मामले की अगली सुनवाई चार जुलाई को, सोमवार को अदालत में सुनवाई के अधिकार पर बहस

वाराणसी। ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण में जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में मामला सुनवाई योग्य है या नहीं, इस पर सोमवार को भी प्रतिवादी पक्ष (मस्जिद पक्ष) के अधिवक्ता अभय

नाथ यादव ने दलीलें रखीं। 1937 के दीन मोहम्मद बनाम सरकार के मुकदमे के फैसले को नजीर के तौर पर प्रस्तुत किया। कहा कि इस फैसले के मुताबिक मस्जिद, सामने का मैदान और नीचे का हिस्सा वक्फ की संपत्ति है। साथ ही दलील दी कि पांच महिलाओं की ओर से दाखिल वाद का प्रारूप लोकवाद जैसा है। इसे व्यक्तिगत वाद की तरह सुनना उचित नहीं है। दो घंटे तक चली सुनवाई के दौरान वादी पक्ष की ओर से दाखिल वाद के 52 इक्षबदुओं में से 36 तक ही अपनी बात रख सका। मुकदमे की सुनवाई की अगली तारीख चार जुलाई तय की गई है। मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता अभय नाथ यादव ने पिछली तिथि तक वाद में उल्लेखित जिन 12 इक्षबदुओं पर अपनी बात रखी थी उससे आगे बढ़े। उन्होंने वादी पक्ष की ओर से दाखिल वाद में दीन मोहम्मद बनाम सरकार के मुकदमे के उल्लेख पर कहा कि वादी पक्ष ने मुकदमे के 12 गवाहों का हवाला देते हुए श्रृंगार गौरी के पूजन का तर्क दिया है, लेकिन मुकदमे के फैसले का जिक्र नहीं किया है। उस आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि मुस्लिम मस्जिद में अपने धार्मिक कार्य कर सकते हैं। ऐसे में वहां किसी दूसरे पक्ष का दावा नहीं हो सकता।

अतिक्रमण संपर्क मार्ग को राजस्व की गठित टीम ने नापी कर किया चिह्नित

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय डाला नगर पंचायत में तहसीलदार न्यायालय के आदेश पर राजस्व

की टीम ने आज शनिवार को डाला बाजार में नापी कर अतिक्रमण संपर्क मार्ग को चिह्नित किया तहसीलदार न्यायालय के आदेश पर राजस्व निरीक्षक मु0आरिफ के नेतृत्व में डाला से रेक्स हवा को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर हुए अतिक्रमण की नापी को लेकर पहुँची टीम को देखते ही लोगो में हडकंप मच गया टीम का नेतृत्व कर रहे मु0 आरिफ ने जानकारी देते हुए बताया कि डाला बाजार से रेक्सहवाँ कोठा टोला को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए तहसीलदार न्यायालय द्वारा नापी करने व अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था इस क्रम में ओबरा तहसील क्षेत्र के विभिनन्‍ ग्राम पंचायतो के पाँच सदस्यी लेखपालो की टीम द्वारा मौके पर विभिनन्‍ दिशाओं में चिन्हित स्थानो से नापी की गई।नापी के दौरान पाया गया कि मौके पर रास्ता केवल डेढ़ मीटर ही खुला है।शेष साढ़े तीन मीटर चौड़ाई व 25 मीटर लंबा तक रास्ता दोनो तरफ अतिक्रमण की जद में है।नापी के बाद अतिक्रमित एरिया तक लाल पेन्ट द्वारा चिन्हित कर दिया गया है।उन्होने बताया कि कुल रास्ते की चौड़ाई 5 मीटर है।उन्होने सम्बंधित लोगो को बताया कि वे अपना अतिक्रमित एरिया जो रास्ते में पड़ रहा है।उसे स्वंय तोड़ कर रास्ता को अतिक्रमण मुक्त कर देवें।राजस्व निरीक्षक ने बताया कि अतिक्रमण हटाने सम्बंधित हुए आदेश के विरूद्ध सम्बंधित लोगो द्वारा उच्चाधिकारियों के यहाँ अपिल किया गया है।जिसके कारण आज अतिक्रमण हटाने का कार्य रोक दिया गया है।नापी करने गये राजस्व निरीक्षक वाली टीम में डाला-कोटा क्षेत्र के क्षेत्रीय लेखपाल अरूणोदय पाण्डेय,सिंदुरिया लेखपाल अवधेश तिवारी,चोपन लेखपाल अमित सिंह,पटवध लेखपाल अभय कुमार व पनारी लेखपाल रंजीत कुशवाहा व नगर पंचायत डाला के कर्मचारी गण भी सामिल रहे।

मायूस हुए पूर्व सीमेंट कर्मचारियों ने पावना भूगतान व समायोजन को लेकर की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र) । स्थानीय डाला सीमेंट फैक्ट्री के पूर्व सीमेंट कर्मचारियों ने सेक्टर सी हनुमान मंदिर प्रांगण में पावना भुगतन व समायोजन को लेकर एक बैठक

की गई जिसमें भारतीय मजदूर संघ के प्रभारी बीडी विश्वकर्मा एवं डाला इकाई संघ पदाधिकारी मणी शंकर पाठक सहित डाला चुर्क चुनार गुरमा के कर्मचारी सामिल रहें मिली जानकारी के मुताबिक रविवार दोपहर बारह बजे से सेक्टर सी हनुमान मंदिर प्रांगण में पूर्व सीमेंट निगम के कर्मचारियो ने बैठक केबताया कि मा.उच्चन्यायालय के आदेश पर 8 दिसम्बर 1999 को डाला,चुर्क,चुनार में स्थित राजकीय सीमेन्ट फैक्ट्री को बंद कर दिया था।इसके बाद भी सीमेन्ट प्रबंधन के आदेश पर सभी कर्मचारी पूर्व की भांति ही कार्य करते रहे।31 जुलाई 2001 को शासकीय समापक अधिकारी ने सीमेन्ट फैक्ट्री को हैण्डओ वर कर लिया। उस समय डाला, चुर्क, चुनार व गुर्मा में लगभग पाँच हजार से अधिक कर्मचारी काम करते थे।जिसमें 28 सौ कर्मचारी डाला सीमेन्ट निगम में कार्यरत्त थे।कारखाना को बाईन्ड कर दिया गया।जिसके बाद कार्यरत्त समस्त सीमेन्ट कर्मीयो कि सेवाए समाप्त कर दी गयी।अचानक सीमेन्ट निगम कि बंदी से सीमेन्ट कर्मीयो कि स्थिति दिनोदिन दयनीय हो गयी।कई सीमेन्ट कर्मीयो ने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या तक कर लिया।बहुत लोगो का दवा के अभाव में मौत हो गयी ।बच्चो कि शिक्षा दिशा बंद हो गयी ।किसी प्रकार बच्चे हुए लोग परिवारो का यहा-वहा कामकर भरणपोषण करने में लगे हैं उच्चतम न्यायालय के आदेश के तहत 812 सीमेन्ट कर्मीयो को वेतन, पेंशन एवं शेष बचे कार्यावधि के तहत समायोजन किया गया है। यह सुविधा उन्ही सीमेन्ट कर्मीयो तक सीमित रह गया है, जिन्होने उच्चतम न्यायालय में वाद दाखिल किया था।अभी भी डाला सीमेन्ट निगम के दो हजार से अधिक सीमेन्ट कर्मी शेष बचे है, जो गरीबी व अनभिज्ञता के कारण न्यायालय में वाद दाखिल नहीं कर सके है।सबका साथ सबका विकास के तहत इन कर्मीयो को भी वेतन, पेंशन, समायोजन व ईपीएफ का लाभांष दिया जाय।कुछ कर्मचारीयो ने उच्चम न्यायालय में वाद दाखिल किया था और निणन्य भी उनके पक्ष में आया। जिसे मुख्यसचिव उत्तर प्रदेश को प्रेषित भी किया गया।लेकिन यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि दावा समायोजित कर्मचारियो के समान नहीं हैंजिससे लोग हताश व निराश हैं इस दौरान केदार समीम अख्तर खा स्वतंत्र श्रीवास्तव मणीशकर पाठक द्वारिका चंद्रवंशी पवारी चौधरी श्याम सुंदर शर्मा सजावल पाठक रामसरन गुप्ता प्रभु राम चंदशेखर सिंह ओमप्रकाश तिवारी रविन्द्र देव पांडेय असर्फी लाल गंगा देवी बसंती देवी सामिल रहें।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 789 लोगों का उपचार

मीरजापुर । हलिया, मझवां व छानबे ब्लाक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। इसमें कुल 789 मरीजों का उपचार किया गया। 36 मरीजों को गंभीर देख चिकित्सकों ने मंडलीय अस्पताल

रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने जरूरी दवाएं देने के साथ ही खान-पान सही रखने की सलाह दा हलिया उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से संबद्ध न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज में कुल 116 मरीजों का उपचार किया गया जिसमें 40 पुरुष, 35 महिला व 41 बच्चे शामिल रहे। इसमें 14 को रेफर किया गया। इसी प्रकार बरौंधा में 104 का उपचार कर 12 लोगों को रेफर किया। मतवार में 93 मरीजों का उपचार कर दस को रेफर किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा॰धिकारी बरौंधा डा.संजय त्रिपाठी, मतवार डा.कामेश्वर तिवारी, डा.रीना पटेल, डा.निर्मल आदि रहे। गैपुरा छानबे क्षेत्र के नरोइया, विजयपुर, कुशहा, विरौरा एवं अकोढी न्यू पीएचसी पर कुल 318 मरीजों का उपचार किया गया। विजयपुर में डा. गिरिजेश, विरौरा में डा. आशुतोष मिश्रा, नरोइया में डा. सुमित कुमार, कुशहा में डा. शिवम व अकोढी में डा. पूर्णिमा की देखरेख में उपचार किया गया। मझवां विकास खंड के न्यू पीएचसी जमुआ पर कुल 66 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसी तरह महामलपुर पर कुल 41 एवं नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भैसा पर 53 मरीजों ने दवा व समुचित पोषक खान पान के बारे में जानकारी प्राप्त की।हलिया क्षेत्र के न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज में देवहट गांव से आए 34 वर्षीय संतोष की अचानक तबीयत बिगड़ गई और सांस फूलने लगी। यह देख चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर एंबुलेंस से जिला टीबी अस्पताल भेजा। एलटी राकेश कुमार पटेल ने बताया कि युवक आठ माह से टीबी रोग से पीड़ित है और बीच में दवा बंद कर दिया था।

बरकोनिया पुलिस द्वारा एक अभियुक्त हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में गोवंश तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रायपुर व थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 28.05.2022 को थाना पनन्ूगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0 127/2021 तथा थाना रायपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 12/2022 धारा गोवध निवारण अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम में वांछित अभियुक्त राज कुमार बिन्द पुत्र टूनन्ू बिन्द निवासी तिवई, थाना चैनपुर, कैमूर, भभुआ, बिहार, उम्र लगभग 21 वर्ष को चैनपुर, कैमूर बिहार अन्तर्गत अखौरा मोड़ से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्तः-** राज कुमार बिन्द पुत्र टूनन्ू बिन्द निवासी तिवई, थाना चैनपुर, कैमूर, भभुआ, बिहार ।

बजरंगदल देश के हिन्दू युवाओं को राष्ट्रीय संस्कार देने का काम करता है - सोहन सिंह सोलंकी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। बजरंग दल काशी प्रांत का लोढ़ी स्थित संत कीनाराम पब्लिक स्कूल में 21 मई से चल रहे कार्यकर्ता शौर्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

का भव्य समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक सोहन सिंह सोलंकी ने बजरंगियों को संबोधित करते हुए कहा कि इजराइल आज दुनिया के सामने विजय इसलिए प्राप्त करता है क्योंकि उसकी जनता ही उसकी सेना है इसकी जरूरत आज भारत को भी है इसका प्रयास बजरंगदल करता है।बजरंगदल देश के हिन्दू युवाओं को राष्ट्रीय संस्कार देने का काम करता है। उन्होंने आगे कहा कि हम भूले नहीं है तक्षशिला को हिंगलाज माता को काशी,अयोध्या, मथुरा को। औरंगजेब ने जब मंदिर तोड़ा तब सोचा नही था कि मंदिर का एक एक ईंट मंदिर होने का प्रमाण है हिन्दू जाग उठा है काशी का गौरव धीरे-धीरे वापस आ रहा है दुनिया के किसी भी कोने में हिन्दू है तो वह चाहते है कि काशी ज्ञान का केंद्र बने। आज देश के सामने लव जेहाद धर्म परिवर्तन आदि सहित कई चुनौतियों का सामना बजरंगदल को करनी है। वही प्रशिक्षणार्थिन्यों ने अतिथियों की उपस्थिति में एसटी,दंड प्रहार, न्यूद्ध, समता, बाधा, योग आदि का एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण का प्रकटीकरण व प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात बजरंगदल के प्रांत संयोजक सत्य प्रताप ने वर्ग का प्रतिवेदन कराया और वहा उपस्थित सभी बजरंगीयों को दीक्षित संकल्प करा कर अपने कार्य क्षेत्र में विदा किया गया। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता संतकिनाराम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह ने किया। इस दौरान मंच पर ध्यानानंद महेश धर्मप्रसार काशी प्रान्त सहित प्रान्त संगठन मंत्री मुकेश भाई उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद सोनभद्र के विश्वहिंदू परिषद बजरंगदल के कार्यकर्ता ज्ञानेंद्र शरण राय,अवधेश,चंदन, विनय सिंह आनंद, संदीप गुप्ता सहित आदि विशिष्ट जन व विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत मे विभाग संगठन मंत्री सतीश ने कार्यक्रम में आये सभी का आभार व्यक्त किया।

कार चालक ने दो साथियों संग मिलकर रची थी लूट की साजिश

मीरजापुर । पुलिस ने पड़री कोटवां के पास 27 मई की रात कार सवारों से हुई दस लाख की लूट की घटना का 36 घंटे के अंदर राजफाश कर दिया। इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। लूट की साजिश कार चालक ने ही दो साथियों के साथ मिलकर रची थी। आरसी पुल के पास से गिरफ्तार

किए गए आरोपितों के पास से दस लाख रुपये के जेवरात, कपड़े ,3700 रुपये नकद, दो तमंचा, चार कारतूस, सेंट्रो कार व एक बाइक बरामद हुई है। तीनों आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह ने रविवार की शाम पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि लालडिग्गी निवासी प्रवीण कुमार वर्मा अपनी पत्नी, मां व बहन के साथ जनपद चंदौली के धानापुर तोरवां से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। 27 मई शुक्रवार की रात कार से वापस घर आते समय लूट की घटना हुई पड़री के कोटवां ओवरब्रिज के पास बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया। गाड़ी रूकते ही बदमाशों ने असलहा के बल पर प्रवीण की पतने, मां व बहन के गहने व बैग लूटकर भाग गए। घटना के बाद प्रवीण वर्मा पड़री थाने पहुंचे और दस लाख के जेवर व कुछ नकदी रुपये लूटने की तहरीर दी। घटना का राजफाश करने के लिए एएसपी संजय कुमार वर्मा की निगरानी में सीओ सदर शैलेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वाट राजेश कुमार, एसओजी प्रभारी सत्येंद्र यादव व पड़री निरीक्षक माधव सिंह की तीन टीमें गठित की गई थी। टीम ने रविवार को आरसी नगर पुल के पास से सेट्रों कार तथा पीछे आ रही काले रंग की सुपर स्पलेंडर सवार तीन व्यक्तियों को पकड़ा। इनमें सुभ्रत गुप्ता पुत्र स्व. अशोक गुप्ता निवासी गोसाई तालाब लालडिग्गी, प्रवीण कुमार जायसवाल उर्फ पिकू पुत्र प्रमोद कुमार जायसवाल निवासी बल्ली का अड्डा कटरा तथा आकाश पुत्र स्व. रमेश सैनी निवासी लालडिग्गी शामिल हैं। इनके पास से 315 व बारह बोर के दो तमंचा चार कारतूस, दस लाख रुपये के जेवरात, 3700 रुपये बरामद हुए। एएसपी ने बताया कि प्रवीण कुमार वर्मा की गाड़ी चलाने वाला चालक 24 मई को नहीं था। उसे शादी में जाना जरूरी था। इसलिए अपने पड़ोस में रहने वाले चालक प्रवीण कुमार जायसवाल को चंदौली चलने के लिए बोला। वह उनके साथ शादी में चला गया लेकिन वहां महिलाओं के गहने देखकर उसके मन में लालच आ गया। प्रवीण ने गहनों को लूटने की साजिश रची। उसने अपने साथी सुभ्रत गुप्ता व आकाश को भी शामिल कर लिया। उसने वाट्सएप काल पर बातचीत कर लूट की पूरी योजना बनाई। बताया कि जैसे ही वह चंदौली से चलेगा उनके मोबाइल फोन पर मैसेज कर देगा। पड़री पहुंचेगा तो वे लोग गाड़ी रोककर महिलाओं से जेवर आदि सामान लूट लेंगे। उसके साथियों ने पड़री के आरसी पुल के पास कार को ओवरटेक कर रोक लिया और महिलाओं को डरा-धमकाकर जेवरात व नकदी लूट लिए। एसपी ने टीम को 50 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की।

16 दोपहिया व एक चार पहिया वाहन की नीलामी 31 मई 2022 को हुआ सुनिश्चित

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र) । विगत कई वर्षों से थाना चोपन पर लावारिस एवं मोटर व्हीकल एक्ट में निरुद्ध कुल 16 दोपहिया एवं एक चार पहिया वाहन की नीलामी दिनांक 31 मई 2022 को थाना चोपन परिसर मे समय 12:00 बजे दिन मे कराया जाना निर्धारित हुआ है। उक्त नीलामी के माध्यम से वाहन को प्राप्त करने के लिए इच्छुक कोई भी व्यक्ति थाना चोपन परिसर में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर नीलामी के द्वारा वाहन को प्राप्त करने हेतु बोली लगा सकता है।

पुलिस को तत्काल दें संदिग्ध गतिविधियों की सूचना

सोनभद्र। जिले में नक्सल पर प्रभावी रोकथाम के लिए रविवार को विभिनन्‍ थाना क्षेत्रों के जंगली इलाकों में पुलिस व पीएसी जवानों ने सघन कांबिग की। पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद

सिंह के अगुवाई में पुलिस ने पननूंगंज थाना क्षेत्र के सिलहट गांव के जंगल में भ्रमण किया। इस दौरान एसपी ने लोगों से वार्ता कर उन्हें किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय में जानकारी होने पर तत्काल पुलिस व स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने के लिए कहा। उनकी मूलभूत समस्याओं के बारे में जानकारी करते हुए उनका हरसंभव निराकरण कराये जाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय गुल्लीडाड़ में महिलाओं व बालिकाओं को विभिनन्‍ सरकारी योजनाओं, सुविधाओं, टोल-फ्री नंबरों, साइबर अपराध व महिला सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया। आमजन को भयमुक्त होकर किसी के बहकावे में न आते हुए पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस को भी जनता से मृदुल व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित एवं विधिक निस्तारण कराये जाने का निर्देश दिया। उधर बभनी थाना पुलिस व पीएसी के जवानों ने छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे गांवों व जंगलों में सघन कांबिग की। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस व पीएसी के जवानों की टीम जंगल में उतरी।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकता मिला महिला का शव

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र) । स्थानीय चोपन थाना क्षेत्र के परासपानी जंगल में पेड़ से लटकता हुआ शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली की परास पानी के जंगल में एक अज्ञात महिला की शव पेड़ से लटका हुआ है सूचना मिलते ही सीओ सीटी राजकुमार त्रिपाठी चोपन इंस्पेक्टर किरण कुमार सिंह व डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर मय फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए पेड़ पर साड़ी के फंदे से लटकता हुआ सड़ी-गली अवस्था में उम्र लगभग 35 वर्षीय अज्ञात महिला का शव से दुर तक दुर्गंध आ रहा शव कई दिन पुराना होने का अनुमान लगाया जा रहा है इस संबंध में चोपन थाना से मिली जानकारी के मुताबिक शाम को जंगल में बकरी चरा रहे एक युवक ने पेड़ पर साड़ी के फंदे से लटकता हुआ शव देखा और इसकी जानकारी चरवाहों ने शव को देखने के बाद जंगल के बाहर एक फार्म

हाउस के लोगों को दी उन्होंने सूचना पुलिस को दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने शव अपने कब्जे लेकर अग्रीम कारवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया शव की शिनाख्त को लेकर प्रधान व पंचायत सदस्य समेत अन्य लोगों को मौके पर बुलाया गया था पर शिनाख्त नहीं किया जा सका।

विद्यार्थियों ने रैली निकाल दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

दुद्धी (सोनभद्र) । भाऊराव देवरस राजकीय सनतकोत्तर महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा माह के तहत सोमवार को छात्र-छात्राओं ने रैली एवं नारों के जरिए जहां नगरवासियों को जागरूक किया। वहीं कोतवाली पुलिस ने भी विद्याथिन्यों के साथ आम रहवासियों के समक्ष सड़क दुर्घटना के आंकड़े रखते हुए लोगों से यातायात नियमों का पालन घर से निकलने के साथ करने की अपील की। कोतवाल राघवेंद्र सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में जान गंवाने वालों में सबसे अधिक संख्या युवकों की होती है। अक्सर देखा जाता है कि मोबाइल से बात करते हुए हादसे का शिकार हो जाते हैं। मौत के मामलों को हेलमेट का उपयोग कर भी काफी कम किया जा सकता है। अपराध निरीक्षक शेषपाल एवं उपनिरीक्षक संजय सिंह ने भी सड़क दुर्घटना को कम करने के तमाम उपायों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए विशेषकर छात्राओं को इंगित करते हुए अपील की कि वे घर से बाहर निकल रहे सगे-संबंधियों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए विवश करें। इसके साथ महिला कांस्टेबल ने मिशन शक्ति अभियान के बाबत विस्तृत जानकारी देते हुए 1090 का प्रयोग करने की अपील की। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा रामसेवक यादव, डा. मिथिलेश गौतम की देखरेख में प्रशनेत्तरी एवं कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में दर्जनों विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

रेल कर्मियों की सुनी समस्या कार्यालयों में खंगाले अभिलेख

मीरजापुर । उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के मुख्य कार्मिक अधिकारी अवधेश कुमार के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम शुक्रवार की देर रात रेलवे स्टेशन पर पहुंची। टीम ने रेल कमिन्यों की समस्याओं

को सुना और उनके निस्तारण कराने का आश्वासन दिया। कार्यालयों में उपस्थिति पंजिका को खंगालने के साथ समस्त अभिलेखों को देखा। इस दौरान अभिलेखों में कुछ कमियां मिली, जिसे दर्ज कर लिया। संरक्षा से संबंधित जानकारी हासिल करते हुए रेलयात्रियों की समस्याओं को दूर करने के लिए जानकारी ली। सीएसओ के साथ मुख्य कर्मचारी एवं हित निरीक्षक अमिताभ दास गुप्ता, कर्मचारी एवं हित निरीक्षक बैजनाथ त्रिपाठी व विवेक ठाकुर की टीम पहले रेलवे पूछताछ केंद्र पर पहुंची। अनारक्षित टिकट काउंटर की जांच की। टिकट के बारे में जानकारी करते हुए रजिस्टर को देखा। प्लेटफार्म एक पर स्थित शौचालय में गंदगी, टूटी नाली मिली। प्लेटफार्म दो पर स्थित उप स्टेशन मास्टर कार्यालय में संरक्षा से संबंधित उपकरणों को देखने के साथ ही उससे जुड़ी समस्त अभिलेखों को देखा। इस दौरान एक प्वाइंटस मैन ने अपनी पीड़ा सुनाते हुए बताया कि ड्यूटी के दौरान पिता का स्वर्गवास हो गया था लेकिन अभी तक मां को पेंशन नहीं मिला। पार्सल कार्यालय में पार्सल से संबंधित कागजातों को देखा और उपस्थिति पंजिका में एक कर्मचारी गायब मिला। पार्सल कार्यालय में तैनात बाबू ने बताया कि उसकी तबियत बराबर खराब रहती है, ऐसे में प्रयागराज तबादला करा दिया जाए। इस संबंध में सीएसओ अवधेश कुमार ने बताया कि स्टेशन पर कमियां मिली है, जिसकी रिपोर्ट मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रयागराज को सौंपा जाएगा।

भारत के भविष्य के कप्तानी उम्मीदवार हार्दिक पांड्या को लोग क्यों करते हैं प्यार, सहवाग ने बताया

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या एक बेहरतरीन आलराउंडर हैं और टीम इंडिया के लिए किए अपने प्रदर्शन के जरिए उन्होंने लोगों से खूब प्यार और सम्मान हासिल किया है। अब गुजरात की कप्तानी करते हुए इस टीम को चैंपियन बनाकर उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी पैठ और गहरी कर ली। आइपीएल से पहले खराब फिटनेस से जूझ रहे हार्दिक सहवाग ने उनकी जमकर तारीफ की। हार्दिक पांड्या ने इस सीजन में खेले 15 मैचों में 487 रन बनाए इनमें उन्होंने 8 विकेट भी लिए। इसमें से भी तीन विकेट तो उन्होंने फाइनल में ही लिए थे। सहवाग ने बताया कि भारतीय आलराउंडर और टीम इंडिया की भविष्य की कप्तानी के उम्मीदवार हार्दिक पांड्या का आफ-फील्ड व्यक्तित्व बिल्कुल

ने जिस तरह से कमबैक किया वो अपनेआप में कमाल है। उन्होंने इस आइपीएल सीजन में बतौर कप्तान को खुद को साबित किया ही एक आलराउंडर के तौर पर भी जो उनकी पुरानी छवि थी उसे भी वापस पा लिया। हार्दिक पांड्या ने आइपीएल 2022 फाइनल में अपनी टीम के लिए शानदार आलराउंड प्रदर्शन किया और टीम को जीत दिलाई। उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया और उनके इस प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र अप्रासंगिक क्यों है। सहवाग ने क्रिकबज से बात करते हुए कहा कि मैदान के बाहर का व्यक्तित्व मायने नहीं रखता, यह बिल्कुल अप्रासंगिक है क्योंकि इससे मैदान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। हार्दिक पांड्या इस सीजन में तीनों विभागों में अलग ही नजर आए। लोग पांड्या को उन चीजों के कारण प्यार करते हैं जो वह मैदान पर करते हैं, न कि मैदान के बाहर। सहवाग ने गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ की भी तारीफ की। सहवाग ने कहा कि ऐसा नहीं है कि जीटी में स्टार-स्टडेड कोचिंग स्टाफ था। गैरी कर्स्टन के अलावा वे अपेक्षाकृत अनुभवहीन थे। लेकिन, उन्होंने अपनी भूमिका वास्तव में अच्छी तरह से निभाई। उन्होंने खिलाड़ियों का वास्तव में अच्छा समर्थन किया है और उन्हें वह दिया है जो वे चाहते हैं। जोस बटलर ने फाइनल मुकाबले में गुजरात के विरुद्ध 35 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन की पारी खेली। इसके बाद हार्दिक पांड्या की गेंद पर वो आउट हुए और निराश होकर पवेलियन लौट गए, लेकिन डगआउट में पहुंचने से ठीक पहले उन्होंने पहले अपना हेलमेट फेंक दिया और फिर अपना ग्लब्ज। साफ तौर पर निराशा उनके चेहरे पर झलक रही थी और सबसे बड़ी बात ये रही कि अन्य बल्लेबाजों के साथ-साथ बटलर की इस खराब बल्लेबाजी का असर टीम पर पड़ा और पूरी टीम 130 रन के स्कोर तक ही पहुंच पाई। इसके बाद गुजरात ने महज 3 विकेट खोकर जीत के लिए मिले टारगेट को पूरा कर लिया और पहली बार खिताब जीता। जोस बटलर ने इस सीजन में 17 मैचों में 848 रन बनाए हैं और उन्होंने पर्पल कैप भी जीता। इस सीजन में बटलर ने चार शतक और चार अर्धशतक भी लगाए। उन्होंने आइपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में डेविड वार्नर का रिकार्ड तोड़ा और दूसरे नंबर पर आ गए। आइपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड विराट कोहली के नाम पर दर्ज है जिन्होंने साल 2016 में 973 रन बनाए थे। बटलर को आइपीएल 2022 में प्लेयर आफ द सीरीज भी चुना गया।

खिलाड़ियों को बड़ी राहत, बायो बबल के बिना खेली जाएगी अफ्रीका के खिलाफ सीरीज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के बाद भी भारतीय फैंस के लिए टी20 का रोमांच रुकने वाला नहीं है क्योंकि जून में दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत दौरे पर आने वाली है। टीम यहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी जिसकी शुरुआत 9 जून से होने वाली है। इस सीरीज से पहले बीसीसीआइ की तरफ से एक बड़ी जानकारी दी गई है। दरअसल यह सीरीज बायो-बबल के बिना खेली जाएगी जो खिलाड़ियों के लिए राहत भरी खबर है। एक अंग्रेजी वेबसाइट को दिए गए इंटरव्यू में बीसीसीआइ के सचिव

जय शाह ने कहा कि यदि मैं गलत नहीं हूं तो आइपीएल 2022 बायो-बबल के तहत खेला जाने वाला आखिरी लीग था।ठ हालांकि दक्षिण अफ्रीका सीरीज के दौरान खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट जरूर कराया जाएगा लेकिन कोई बायो-बबल नहीं होगा। बीसीसीआइ के इस कदम से खिलाड़ियों को काफी राहत मिलेगी क्योंकि पिछले कुछ महीनों से उन्हें लगातार बायो-बबल के कड़े नियमों का पालन करना पड़ रहा है। जिसके कारण काफी खिलाड़ियों को मानसिक थकान हुई है और कई खिलाड़ी इस दौरान बीच टूर्नामेंट से बाहर भी हुए हैं। आपको बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है जिसमें टीम इंडिया को वर्ल्ड कप के लिए एक अच्छी टीम बनाने में काफी मदद मिलेगी। 5 मैचों की सीरीज का पहला मैच 9 जून को दिल्ली में जबकि आखिरी मैच 19 जून को बैंगलुरु में होगा। हर मैच से पहले खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट किया जाएगा। इस सीरीज में विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जबकि कप्तानी की जिम्मेदारी केएल राहुल को सौंपी गई है। रिषभ पंत को उप-कप्तान बनाया गया है। केएल राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिशनेई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

लिवरपूल को 1-0 से हराकर रीयल मैड्रिड रिकार्ड 14वीं बार बनी चैंपियन

पेरिस। यूएफा चैंपियंस लीग फाइनल 2022 में इंग्लिश फुटबाल क्लब लिवरपूल और स्पेनिश क्लब रीयल मैड्रिड के बीच महामुकाबला खेला गया। इस मैच में रीयल मैड्रिड ने 1-0 से जीत हासिल की और रिकार्ड 14वीं बार

चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। रीयल मैड्रिड के लिए इस मुकाबले में एकमात्र गोल ब्राजील के विंगर विनीसियस जूनियर ने 59वें मिनट में किया। इंग्लिश फुटबाल क्लब लिवरपूल और स्पेनिश क्लब रीयल मैड्रिड के बीच जिस महामुकाबले का सभी को इंतजार था, वह 36 मिनट देरी से शुरू हुआ। पेरिस के स्टाड डि फ्रांस स्टेडियम में यूएफा चैंपियंस लीग फाइनल देखने आए प्रशंसकों को स्टेडियम में घुसने में काफी दिक्कत हुई जिस कारण तय समय पर सारे दर्शक अंदर नहीं आ सके, इसलिए पहले 15 मिनट मैच देर से शुरू करने की घोषणा हुई, बाद में मैच 36 मिनट देरी से शुरू हो सका। कुछ प्रशंसक जबरदस्ती स्टेडियम में घुसने की कोशिश करने लगे जिसके बाद बेकाबू भीड़ को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ दिए थे। इन दृश्यों को देखकर सभी लोग चौक गए। लाल और सफेद रंग में बंटा पेरिस : कोई भी खेल प्रशंसकों के बल पर ही चलता है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण है फुटबाल। प्रशंसकों की स्टेडियमों में कितनी अहमियत होती है इसका अहसास खिलाड़ियों, कोचों और टीवी प्रसारकों को कोविड के समय में और ज्यादा पता चला। पेरिस में रीयल मैड्रिड और लिवरपूल के बीच यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल के दौरान पूरा शहर लाल और सफेद रंग में बंटा हुआ था। जीत प्रसंशक की : इस मैच की दीवानगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता था कि लाल जर्सी पहने लिवरपूल के कई युवा प्रशंसक एक बोट के माध्यम से पेरिस आए थे। वहीं, लंदन में एक स्कूल में विलियम हरस्टेड नामक एक विद्यार्थी दो दिन से स्कूल नहीं आया तो उसके स्कूल की अध्यापिका ने उसके पापा से कारण पूछा कि तो उन्होंने बताया कि वह तो अपनी टीम लिवरपूल का हौसला बढ़ाने के लिए पेरिस में है तब स्कूल की अध्यापिका ने उनके पिता को उत्तर दिया, बहुत बढिया। उधर, रीयल मैड्रिड के प्रशसंको ने भी अपने-अपने अंदाज में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कई प्रशंसकों के बीच में कायलियन एमबापे की जर्सी थी। एमबापे पेरिस सेंट जर्मेन के लिए स्ट्राइकर के रूप में खेलते है और लीग के फाइनल से पहले उनके रीयल मैड्रिड में आने की चर्चा थी, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदा टीम के साथ ही अपने करार को आगे बढ़ा लिया।

फाइनल जीतने के बाद दौड़कर पति के गले लगी नताशा, भावुक पत्नी को हार्दिक ने दी जोरदार 'झप्पी'

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर ट्राफी पर कब्जा जमाया। पहली बार टूर्नामेंट में खेलने उतरी टीम ने आशीष नेहरा की कोचिंग में यह कमाल कर दिखाया। फाइनल मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ हार्दिक के आलराउंडर प्रदर्शन के दम पर जीत दर्ज की। गेंदबाजी करते हुए उन्होंने पहले 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट चटकाए और फिर बल्लेबाजी में हाथ दिखाते हुए 34 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन की वजह से उनको फाइनल जैसे अहम मुकाबले में प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मैच खत्म होने के बाद काफी देर तक उनको कुछ कहती नजर आई। नताशा बेहद भावुक नजर आ रही थी देखने से लग रहा था जैसे उनकी आंखें छलकी हो, हार्दिक हमेशा की तरह शांत और सहज दिखे। उन्होंने पतनी को गले लगाकर उनको जोरदार झप्पी दी और फिर वह हंसने लगी। चोट के बाद पहली बार

शानदार गेंदबाजी से उनको 130 रन के स्कोर पर रोका और फिर 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर इतिहास के पनें में नाम लिखवाया रविवार 29 मई को आइपीएल 2022 के फाइनल में गुजरात ने कप्तान हार्दिक की पत्नी नताशा भावुक नजर आई और पति के गले लगी रही। मैच खत्म होने के बाद स्टेडियम में मैच देख रही हार्दिक की पतने नताशा मैदान के अंदर दौड़कर आती नजर आई। उन्होंने पति को आकर गले लगाया और हार्दिक किसी बड़े टूर्नामेंट में खेलने उतरे और वो भी कप्तान के तौर पर । उन्होंने यहां अपनी फ्रेंचाइजी टीम गुजरात के भरोसे को सही साबित करते हुए आलराउंडर प्रदर्शन कर टीम को ट्राफी दिलाई।

आउट होने के बाद बेहद नाराज दिखे जोस बटलर, डग आउट में फेंका अपना हेलमेट व ग्लब्ज

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले व आरेंज कैप जीतने वाले बल्लेबाज जोस बटलर अपनी टीम के लिए फाइनल बेटल में ही फेल रहे। जोस बटलर ने शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन टीम को जब उनकी जरूरत थी वो अपना विकेट हार्दिक पांड्या की गेंद पर गंवा बैठे। बटलर पांड्या की एक गेंद को हिट करने के चक्कर में विकेट के पीछे साहा को अपना कैच थमा बैठे। इस तरह से अपना विकेट गंवाने के बाद जोस बटलर बेहद निराश नजर आए।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत क्या रही जिसके दम पर जीत लिया पहली बार में ही टाइटल

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या ने वो करिश्मा कर दिखाया जिसकी उम्मीद शायद ही किसी ने की थी। बाहर से साधारण दिखने वाली टीम का असाधारण प्रदर्शन साफ जाहिर करता है कि इस टीम ने कितनी बेहतरीन रणनीति के साथ एक-एक करके अपनी विरोधी टीमों को हराते हुए चुपके से चैंपियन भी बन गई। गुजरात की टीम ने डेब्यू सीजन में जो कमाल कर दिखाया वो अपने-आप में बेमिसाल रहा और इसका पूरा क्रेडिट कप्तान, टीम मैनेजमेंट, कोच सबको जाता है। आइपीएल 2022 के फाइनल मैच में राजस्थान को 7 विकेट से हराने के बाद गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने अपनी सफलता का राज खोला। उन्होंने कहा कि ये दुनिया

की किसी भी टीम के लिए सही उदाहरण है। अगर आप एक टीम के रूप में खेल सकते हैं और सही लोगों के साथ एक बेहतरीन यूनिट का निर्माण कर सकते है तो चमत्कार हो सकता है। मैं और आशु पा (आशीष नेहरा) मैच में प्रोपर गेंदबाज के साथ खेलना पसंद करते हैं। टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों का महत्व है और ये बल्लेबाजों का खेल है, लेकिन क्रिकेट के इस प्रारूप में मैंने ज्यादा बार देखा है कि गेंदबाज आपको लिए मैच जीतते हैं। पांड्या ने कहा कि हमने कई बार मैच जीते, लेकिन हमने इस बात पर चर्चा की कि हम कहां पर चूक गए और फिर उसे कैसे बेहतर कर सकते हैं। मैंने आइपीएल में 5 फाइनल खेले (चार मुंबई इंडियंस के लिए) और सभी में जीत मिली मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं, लेकिन ये स्पेशल है।

जोस बटलर का एक और रिकार्ड, प्लेआफ में 'दोहरा शतक' पूरा करने वाले पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में राजस्थान और गुजरात की टीमें फाइनल में ट्राफी को अपने नाम करने उतरी। धमाकेदार फार्म में चल रहे रायल्स के ओपनर जोस बटलर ने एक ऐसा रिकार्ड बना डाला जिसे इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने नहीं बनाया था। प्लेआफ में इस बल्लेबाज ने दोहरा शतक पूरा कर सबको पीछे छोड़ दिया।रविवार 29 मई को आइपीएल 2022 का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियन में खेला गया। यहां संजू सैमसन ने टास जीतकर गुजरात की टीम को पहले गेंदबाजी करने बुलाया। राजस्थान के लिए स्टार ओपनर बटलर ने एक बार फिर से अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाते हुए वक्त के मुताबिक बल्लेबाजी को ढाला। हालांकि इस अहम मुकाबले में वह बड़ी पारी नहीं खेल पाए लेकिन 39 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। राजस्थान के बटलर ने आइपीएल के प्लेआफ में इस मैच के दौरान दोहरा शतक पूरा किया। उन्होंने इस तरह से किसी भी एक सीजन के प्लेआफ में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले डेविड वार्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए 2016 में 190 रन बनाए थे। रजत पाटीदार ने आरसीबी की तरफ से खेलते हुए इसी सीजन में 170 रन बनाए थे और वह तीसरे नंबर पर है। मुरली विजय ने 2012 में 156 रन का स्कोर बनाया था। बटलर ने इस आइपीएल सीजन में चार शतक बनाए जमाते जिसमें से एक क्वालीफायर 2 में आया। आरसीबी के खिलाफ उन्होंने शतक जमाकर टीम को फाइनल में पहुंचाया था। कमाल की बात यह है कि सीजन का चौथा शतक बटलर ने विराट कोहली की टीम के खिलाफ उनके सामने ही लगाया। इसके साथ ही वह इस खास रिकार्ड के बराबर पहुंचे।

राशिफल

मेष-: आपको रुका हुआ धन मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक कर सकते हैं, लेकिन जो आपके लिए खास हैं, उनके सामने आप अपनी भावनाओं का इजहार कर पाएंगे।

वृष-: आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा. आज आप अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती हैं।

मिथुन-: परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। बहुत उत्साहित रहेंगे। साहसिक कार्य करने से बचें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

कर्क-: आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें दुखी कर सकती हैं। प्रेम की दृष्टि से आज का दिन बेहद खास रहेगा।

सिंह-: आज का दिन लाभकारी रहेगा. आज आपके दोस्त आपके रुके हुए काम में आपकी मदद करेंगे। आज आपके शत्रु आपसे दूरी बनाए रखेंगे। आज आपको अपने किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या-: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. जल्दबाजी में निर्णय न लें। व्यापार और व्यापार के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला-: आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा. यदि बातचीत और चर्चा आपके अनुसार नहीं है तो आप गुस्से में कड़वी बातें कह सकते हैं, जिसके बारे में आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

वृश्चिक-: आज आपका दिन राहत भरा रहने वाला है. आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के शायरों के लिए आज का दिन बेहद अहम रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा का पुरस्कार भी मिल सकता।

धनु-: आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए शुभ समय है. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद दूर कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति से मेल-मिलाप होगा।

मकर-: आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. यदि आप आय में वृद्धि के स्रोतों की तलाश कर रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कुंभ-: आज भाग्य साथ देगा. ऑफिस में आज का काम इस राशि के बिजनेसमैन को ज्यादा फायदा देने वाला है। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। धन के साथ सुख आएगा।

मीन-: आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

सम्पादकीय

अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य के कारण यह आवश्यक हो गया है कि महंगाई पर लगाम लगाई जाए

लगातार परेशान करती महंगाई के बीच शनिवार की शाम एक राहत भरी खबर आई। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने का एलान किया, जिससे बेलगाम महंगाई पर कुछ लगाम लगने की उम्मीद बंधी है। इससे जहां लोगों का आवाजाही से जुड़ा खर्च घटेगा, वहीं आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई सस्ती होने से भी राहत मिलेगी। पिछले कुछ अर्से से प्रत्येक वर्ग पर महंगाई का असर दिखने लगा था। विशेषकर निमन्आय वर्ग के लिए यह नासूर बनती जा रही थी। इस तबके की आमदनी का एक बड़ा हिस्सा खानपान और ईंधन पर खर्च होता है। इस कारण बढ़ती कीमतों से उसका बजट बिगड़ता जा रहा था। ऐसे में सरकार के लिए कोई राहत देना आवश्यक हो गया था। इससे पहले गत नवंबर में भी केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया था, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से उस कटौती का असर जाता रहा। महंगाई इस समय केवल भारत की समस्या नहीं है। तमाम देश इससे बुरी तरह त्रस्त हैं। भारत में तो करीब छह प्रतिशत मुद्रास्फीति का लक्ष्य भी सहज मान लिया जाता है। वहीं अमेरिका इसके लिए अधिकतम दो प्रतिशत का लक्ष्य तय करता है, लेकिन वहां मुद्रास्फीति की दर 8.3 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जो महंगाई की विकराल स्थिति को दर्शाता है। यूरोप का भी यही हाल है। कुल मिलाकर अधिकांश देश अभी महंगाई की मार से बेहाल हैं। फिलहाल रूस-यूक्रेन युद्ध इसका तात्कालिक कारण है। इस युद्ध ने दुनिया भर में तेल और गैस के दाम आसमान पर चढ़ा दिए हैं। खाद्य वस्तुओं के दाम भी उसकी चपेट में आ गए हैं। रूस और यूक्रेन दुनिया को गेहूं की बड़े पैमाने पर आपूर्ति करते हैं। यूक्रेन सूरजमुखी तेल का भी बड़ा उत्पादक है। उसके रणक्षेत्र में बदलने से इन उत्पादों की आपूर्ति पर असर पड़ा है। इस लड़ाई ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। केवल यही नहीं, बल्कि इसके कारण आपूर्ति केंद्रों के समीकरण भी गड़बड़ा गए हैं और उन्हें नए सिरे से तय करना पड़ रहा है। यह प्रक्रिया खर्चीली होने के साथ ही ज्यादा समय भी ले रही है। इससे वस्तुओं के दाम बढ? के साथ ही उनकी आपूर्ति का समय प्रभावित हो रहा है, जिससे उनकी किल्लत पैदा हो रही है। इस कारण भी कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है। वहीं चीन में कोविड के विस्फोट एवं उस पर काबू पाने की कड़ी नीति ने आर्थिक मोर्चे पर एक नया जोखिम उत्पन्न कर दिया है। भारत बड़े पैमाने पर कच्चे तेल, गैस के अलावा तमाम औद्योगिक जिंसों और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं का आयात करता है तो उस पर इनका असर पड?ा स्वाभाविक है। इसे आयातित महंगाई का नाम दिया जाता है। इसका आशय है आयात की जाने वाली वस्तुओं के कारण बढ? वाली महंगाई। सामान्य परिस्थितियों में भारतीय महंगाई परिदृश्य में आयातित महंगाई का अनुपात करीब 28 से 30 प्रतिशत के दायरे में होता है, लेकिन इस समय यह 60 प्रतिशत से भी ऊपर है। यह स्थिति की गंभीरता को दर्शाने के लिए पर्याप्त है कि वैश्विक रुझान किस प्रकार भारत में महंगाई की आग को हवा दे रहे हैं। कीमतों पर असर डालने के अलावा ये आर्थिक गतिविधियों की धार कुंद करने पर भी आमादा हैं। जैसे चीन में कोविड के कारण लगे लाकडाउन से देसी कंप्यूटर हार्डवेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और दूरसंचार क्षेत्र की आपूर्ति पर असर पड़ा है। भारत अपनी आवश्यकता का करीब 53 प्रतिशत कंप्यूटर हार्डवेयर, 52 प्रतिशत कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और 43 प्रतिशत दूरसंचार उपकरण एवं उनके निर्माण में आवश्यक कलपुर्जे चीन से आयात करता है। ऐसे में यदि यह गतिरोध लंबा चला तो मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। इस आयातित महंगाई का दीर्घकालिक समाधान यही है कि जहां भारत हाइड्रोकार्बन पर अपनी निर्भरता घटाए, वहीं अधिक से अधिक वस्तुओं का घरेलू उत्पादन करे। सरकार द्वारा हरित ऊर्जा पर जोर और सेमीकंडक्टर जैसे उद्योग की स्थापना के लिए प्रोत्साहन इस दिशा में स्वागतयोग्य है, लेकिन उनके अपेक्षित परिणाम आने में समय लगेगा। मौजूदा परिस्थितियों की बात करें तो पेट्रोल-डीजल पर कर की दर घटाने की बहुत ज्यादा गुंजाइश न होने के बावजूद सरकार को ऐसा करने के लिए विवश होना पड़ा।

दुनिया को राह दिखाता नया भारत, विश्व का नेतृत्व करने वाला एक सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत आकार लेगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने केंद्र में अपने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवधि को मैं नए भारत के निर्माण की यात्रा के रूप में देखता हूं। नए भारत का अर्थ एक सशक्त, सक्षम, समर्थ और आत्मनिर्भरता की भावना युक्त भारत है। यह सुखद है कि पिछले आठ वर्षों में इस भारत की आधारशिला रखने का काम मोदी जी ने किया है। इस दौरान देश के समक्ष कोविड संकट सहित अनेक बाधाएं और चुनौतियां आईं, लेकिन मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश ने मजबूती से उनका सामना किया और नए भारत के निर्माण की यात्रा सतत जारी रही। कोविड महामारी ने पूरी दुनिया को नुकसान पहुंचाया और अभी भी तमाम देश उससे उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार की नीतियों के चलते यह महामारी हमारी अर्थव्यवस्था को अधिक प्रभावित नहीं कर पाई। जब दुनिया के बड़े-बड़े देश कोविड के समक्ष घुटने टेक चुके थे, तब मोदी जी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान करते हुए स्पष्ट किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो आपदा को भी अवसर में बदला जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से जहां हताश हो रहे भारतीय जनमानस में आशा का संचार हुआ, वहीं इसके तहत घोषित बीस लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज ने अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने का काम किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि कोविड संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ? वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारत आज छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' में भारत 2015 में जहां 142वें स्थान पर था, वहीं अब 63वें स्थान पर

है। भारत दुनिया का इन्वेस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। मोदी जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता की राह पर चलता भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुलवाकर उन्हें देश के अर्थतंत्र में शामिल करते हुए मोदी जी ने यह प्रकट किया कि उनकी सरकार समावेशी विकास के माडल को लेकर आगे बढे वाली है। मोदी शासन का मूलमंत्र 'सबका साथ-सबका विकास' ही सर्वस्पर्शी एवं सर्वसमावेशी माडल को लेकर आगे बढ? वाला है। इसका उद्देश्य देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाते हुए उसके जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, मुद्रा, पीएम किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत, सौभाग्य, आवास, डीबीटी इत्यादि योजनाओं के माध्यम से मोदी सरकार ने गरीबों का न सिर्फ आर्थिक सशक्तीकरण किया, बल्कि उन्हें सम्मान से जीने का अवसर देने का सफल भी प्रयास किया है। योजनाएं पिछली सरकारों में भी बनती थीं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की गति मोदी सरकार की विशेषता रही है। अब योजनाओं को किसी सीमा में बांधे बिना सभी के लिए बनाया जाता है। पिछले आठ वर्षों में स्वतंत्रता के बाद पहली बार गरीब और पिछड़े सरकार में हितधारक (स्टेकहोल्डर) बने और अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जुड़े। मोदी जी के शासन में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी अभूतपूर्व मजबूती मिली है। आतंकवाद के प्रति यह सरकार जीरो टालरेंस का रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ रही है। अब आतंकी हमलों पर कांग्रेस सरकारों की तरह केवल निंदा-भर्त्सना करके ही कर्तव्यों की इतिश्री नहीं की जाती, बल्कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक द्वारा आतंकियों को उनके घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है। यह परिवर्तन देश के नेतृत्व की मजबूती के कारण ही संभव हुआ। कांग्रेस सरकारों के समय अक्सर ऐसा भी सुनने को मिलता था कि भारतीय सेना के पास गोला-बारूद की कमी हो गई है, लेकिन अब सैन्य बलों को सभी अत्याधुनिक संसाधनों एवं उपकरणों से लैस रखने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। आज देश की वायु सीमा की रक्षा राफेल जैसा अत्याधुनिक लड़ाकू विमान कर रहा है तो एस-400 जैसी सर्वश्रेष्ठ मिसाइल रक्षा प्रणाली देश का कवच बनकर तैनात हो चुकी है। रक्षा सामग्री के लिए विदेशी निर्भरता वाले भारत ने 2019 में 10 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादों का निर्यात किया और 2025 तक इसका लक्ष्य 35 हजार करोड़ रुपये करने का है। यह सब इसीलिए संभव हुआ, क्योंकि मोदी सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा राजनीति नहीं, राष्ट्रहित का विषय है। हमारी सरकार इससे कोई समझौता नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर तो देश को सुदृढ़ किया ही है, विश्व पटल पर भारत के गौरव को बढ़ाने का भी काम किया है। जलवायु संकट पर दुनिया को राह दिखाना हो या कोविड के विरुद्ध भारत की लड़ाई को विश्व के लिए मिसाल बनाना हो, उन्होंने विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। प्रधानमंत्री जब किसी भी देश या वैश्विक मंच पर जाते हैं, तो उनके वक्तव्यों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भरपूर उल्लेख होता है। इससे वह विश्व को भारत के प्रति एक नई दृष्टि देते हैं। अब भारत किसी महाशक्ति के सामने झुके बिना देशहित में अपना मत स्वतंत्रतापूर्वक रखता है। मोदी जी को संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व के कई मंच और देश सम्मानित कर चुके हैं। यह भी विश्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का ही द्योतक है। पिछले आठ वर्षों में भारत की महान संस्कृति और परंपराओं को पुनर्स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारतीय संस्कृति को वैश्विक सम्मान भी मिला है। योग को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलना इसका एक उदाहरण है। यदि मोदी जी देशहित में बड़े और कड़े निणन्य लेते हैं तो इसका एक प्रमुख कारण उनके प्रति जनता का अपार विश्वास है। आज उनके नेतृत्व पर जनता का ऐसा विश्वास है कि लोग उनके निणन्यों को स्वयं आगे बढ़ाने में लग जाते हैं। स्वच्छ भारत अभियान का आह्वान हो, गैस सब्सिडी छोड? की अपील हो, नोटबंदी का निणन्य हो या कोविड के दौरान लाकडाउन की घोषणा, इन सभी मामलों में मोदी जी के आह्वान पर जनता ने जिस तरह से सरकार का सहयोग किया वह उनके प्रति लोगों के विराट विश्वास को ही दर्शाता है। मोदी सरकार एक ऐसे समय अपने कार्यकाल के आठ वर्ष पूरी कर रही है, जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। ये आठ वर्ष अगले 25 वर्षों के लिए देश को आगे ले जाने की दशा-दिशा तैयार करने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन आठ वर्षों में नए भारत की जो मजबूत आधारशिला तैयार की है, उस पर विश्व का नेतृत्व करने वाला एक सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत आकार लेगा।

केवल यासीन को सजा मिलना पर्याप्त नहीं, कश्मीर के हालात बदलने के लिए अभी बहुत कुछ करना होगा

आखिरकार एनआइए की एक अदालत ने यासीन मलिक को आतंकी फंडिंग समेत अन्य मामलों में दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुना दी। चूंकि यह फैसला विलंब से आया, इसलिए उस पर एक सीमा तक ही संतोष किया जा सकता है। ऐसे फैसले यही बताते हैं कि न्याय में देरी अन्याय है। यासीन मलिक न केवल खुद आतंकी गतिविधियों में शामिल था, बल्कि अन्य आतंकियों की हर तरह से मदद भी करता था। उसने वायु सेना के चार अफसरों की हत्या की और वीपी सिंह सरकार के समय गृहमंत्री रहे मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रूबिया सईद का अपहरण किया। माना जाता है कि यह अपहरण नहीं था, बल्कि आतंकियों को छुड़ाने की एक साजिश थी और उसमें जम्मू-कश्मीर सरकार के भी कुछ लोग शामिल थे। जब रूबिया सईद की रिहाई के बदले खूंखार आतंकियों को छोड़ा गया तो आतंकियों का दुस्साहस चरम पर पहुंच गया और कश्मीरी हिंदुओं को मारने, धमकाने की घटनाएं तेज हो गईं। जब यासिन मलिक के साथियों ने जेकेएलएफ सरगना मकबूल बट्ट को फांसी की सजा सुनाने वाले जज नीलकंठ गंजू की हत्या कर दी तो कश्मीरी हिंदुओं के लिए वहां रहना मुश्किल हो गया और बड़े पैमाने पर उनका पलायन होना शुरू हो गया। अभी यासीन मलिक के अन्य मामलों की भी सुनवाई होनी है। देखना है कि उसे इन मामलों में क्या सजा मिलती है? उसने जिस तरह के आतंकी कृत्य किए हैं, उन्हें देखते हुए तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। जो भी हो, यह समझना कठिन है कि 1994 में उसे जेल से क्यों छोड़ा गया? जेल से छूटते ही वह खुद को गांधीवादी कहने लगा। हैरानी

की बात यह रही कि कई बुद्धिजीवी, नेता और पत्रकार उसे सचमुच गांधीवादी बताने लगे और उसकी हर तरह से सहायता भी करने लगे। नतीजा यह हुआ कि उसे विभिन्न कार्यक्रमों में बुलाया जाने लगा। वह सरकार के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात करने लगा। वह हुर्रियत कांफ्रेंस के अलगाववादी और पाकिस्तानपरस्त नेताओं के साथ तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से भी मिला और उसके पहले अटल बिहारी वाजपेयी से भी। वाजपेयी सरकार के समय उसे पासपोर्ट भी मुहैया करा दिया गया। इसके बाद वह अमेरिका, ब्रिटेन और पाकिस्तान की यात्रा करने लगा। पाकिस्तान जाकर उसने आतंकी सरगना हाफिज सईद के साथ मंच भी साझा किया। किसी को बताना चाहिए कि जब यासीन मलिक पाकिस्तान से पैसा पा रहा था और उसके इशारे पर कश्मीर में आतंकवाद भी भड़का रहा था, तब फिर उस पर इतनी मेहरबानी क्यों दिखाई जा रही थी? यह भी सामने आना चाहिए कि वे कौन लोग थे, जो यासीन मलिक के काले अतीत से परिचित होते हुए भी उसे शांति का मसीहा बताने में लगे हुए थे? ऐसा करने वालों ने केवल एक आतंकी का महिमामंडन ही नहीं किया, बल्कि कश्मीर समस्या को जटिल भी बनाया और उन तत्वों को प्रोत्साहन दिया, जो कश्मीर की आजादी का राग अलाप रहे थे। यह अच्छा हुआ कि एनआइए अदालत ने यह पाया कि हुर्रियत कांफ्रेंस और तहरीक ए हुर्रियत जैसे संगठनों को आतंकी गिरोह मानने के पर्याप्त प्रमाण है। क्या यह शर्मनाक नहीं कि ऐसे संगठनों को खुद हमारी सरकारों ने वैधता प्रदान की और यह माहौल बनाया कि वे कश्मीर समस्या के समाधान में सहायक बन सकते हैं? कश्मीर की समस्या उसी समय शुरू हो गई थी, जब आजादी के बाद पाकिस्तानी सेना ने कबाइलियों के भेष में घाटी में हमला बोला। इस हमले में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा हथिया लिया, क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सेना की सलाह के विपरीत युद्धविराम कर दिया और मामले को संयुक्त राष्ट्र ले गए। वहां यह मामला उलझ गया। इसके बाद नेहरू ने जम्मू कश्मीर के लिए अनुच्छेद 370 बनाकर उसे कुछ विशेष अधिकार दे दिए। यही विशेषाधिकार अलगाव और फिर आतंक का कारण बने। इन्हीं विशेषाधिकारों के कारण पाकिस्तान को कश्मीर में हस्तक्षेप करने का मौका मिला और उसने वहां आतंकी जत्थे भेजने शुरू कर दिए। यह सिलसिला अभी भी कायम है। कश्मीर के हालात बदलने तब शुरू हुए, जब 2014 में नरेन्द्र मोदी ने केंद्र की सत्ता संभाली। पाकिस्तान ने जब-जब कश्मीर में कोई नापाक हरकत की, तब-तब भारत ने उसे सबक सिखाया-पहले सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये और फिर एयर स्ट्राइक के जरिये। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाने का साहसिक फैसला लिया। मोदी सरकार के कारण ही यासीन मलिक की गिरफ्तारी हुई और उसे सजा मिली, लेकिन अभी उसके जैसे न जाने कितने लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी बाकी है। आखिर क्या कारण है कि शब्बीर शाह, मसर्रत आलम, इंजीनियर रशीद, जहूर अहमद शाह वटाली जैसे पाकिस्तान के एजेंटों अथवा बिट्टा कराटे सरीखे आतंकियों के खिलाफ चल रहे मामले तेजी नहीं पकड़ रहे हैं और वह भी तब जब उन पर देश के खिलाफ युद्ध छेड़? और आतंकियों की मदद करने के गंभीर आरोप हैं? इस सवाल के लिए जांच एजेंसियां भी जिम्मेदार हैं और न्यायपालिका की सुस्ती भी। यह तय है कि यासीन मलिक को जो सजा सुनाई गई, उसे उच्चतर अदालतों में चुनौती दी जाएगी। बेहतर होगा कि उच्चतर अदालतें तत्परता दिखाएं। कश्मीर के राजनीतिक दलों और पाकिस्तान पोषित आतंकी संगठनों को कश्मीर का माहौल खराब करने की इजाजत बिल्कुल नहीं दी जानी चाहिए। ध्यान रहे कि इसकी कोशिश रह-रह कर होती ही रहती है। इसका कारण यह है कि पिछले करीब साढ़े तीन दशकों में यासीन मलिक जैसे आतंकियों और हुर्रियत कांफ्रेंस सरीखे संगठनों और उनसे हमदर्दी रखने वाले दलों ने कश्मीर की फिजाओं में इतना जहर घोल दिया है कि वह आसानी से दूर होने वाला नहीं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कश्मीर में अभी भी आतंकी स्थानीय लोगों के समर्थन से ही अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। वे सुरक्षा बलों के साथ गैर-कश्मीरियों और खासकर वहां रह रहे कश्मीरी हिंदुओं को जब-तब निशाना बनाते रहते हैं। इस सिलसिले को देखते हुए इसके आसार नहीं कि कश्मीरी हिंदू हाल-फिलहाल कश्मीर लौट सकेंगे। आशंका तो यह है कि कहीं बचे-खुचे कश्मीरी हिंदू भी घाटी न छोड़ दें। ऐसे में यह मानना सही नहीं होगा कि यासीन मलिक को सजा सुना दिए जाने भर से कश्मीर के हालात बदल जाएंगे। हालात बदलने के लिए अभी बहुत कुछ करना होगा। कश्मीर में जो कुछ करना शेष है, उसे पूरा करके ही वहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सही तरह आगे बढ़ाया जा सकता है।

मुस्लिमों के हित में है समान नागरिक संहिता, जानें एक्सपर्ट के विचार

देश में अन्य अनेक मुद्दों पर चर्चा के बीच समान नागरिक संहिता पर भी बहस जारी है। जहां कुछ राज्य सरकारें इसका समर्थन कर रही हैं, वहीं मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड जैसे संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। उत्तराखंड सरकार ने तो इसके लिए एक आयोग तक का गठन कर दिया है। कुछ और राज्य सरकारें इसी दिशा में पहल कर रही हैं। एक मुस्लिम महिला होने के नाते मेरा मानना है कि मुस्लिम समुदाय को समान नागरिक संहिता का समर्थन करने में सबसे आगे होना चाहिए। इस संहिता का उद्देश्य एक ऐसी व्यवस्था बनाना है, जहां हर भारतीय नागरिक कानून के समक्ष समान हो। भारत में जहां आपराधिक कानून देश के हर नागरिक पर समान रूप से लागू होते हैं, वहीं सिविल मामलों में कई समुदायों के अपने पर्सनल यानी निजी कानून हैं, जो कहीं-कहीं तो संहिताबद्ध भी नहीं हैं। गोवा में किसी तरह के निजी कानून लागू नहीं हैं। वहां समान नागरिक संहिता लागू है और उससे किसी को परेशानी नहीं। समान नागरिक संहिता के तहत विवाह, तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार, गुजारा भत्ता, संपत्ति आदि से जुड़े मामले आते हैं। साफ है कि समान संहिता महिलाअधिकारों से जुड़ी समस्याओं और मुद्दों पर सर्वाधिक सकारात्मक प्रभाव डालने वाली है। हालांकि सभी समुदायों के निजी कानूनों में समय के साथ थोड़ा-बहुत बदलाव करके उन्हें महिलाओं के हित में करने की कोशिश की गई है और इसमें कुछ सफलताएं भी मिली हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। दरअसल निजी कानून मूलतः पुराने रस्मो-रिवाज, मान्यताओं और पितृसत्तात्मक धार्मिक व्याख्याओं पर ही आधारित हैं। इद्दत कोड बिल के तहत अब इद्दत महिलाएं परिवार की संपत्ति में बराबर की हकदार हैं, परंतु निजी कानूनों में लैंगिक असमानता के चलते मुस्लिम महिलाओं को इस मामले में सीमित अधिकार ही हासिल हैं। मुस्लिमों में लैंगिक असमानता की कुछ बानगी

देखिएः आज एक मुस्लिम पुरुष को चार महिलाओं से शादी की अनुमति है। 21वीं शताब्दी में भी बहुविवाह जैसी कुप्रथा जारी है। यद्यपि तत्काल तीन तलाक को अपराध घोषित कर दिया गया है, फिर भी तीन महीने में तीन तलाक देने का अधिकार मुस्लिम पुरुषों को प्राप्त है। जहां 'खुला' के जरिये तलाक लेने वाली मुस्लिम महिलाएं घाटे में रहती हैं, वहीं मुस्लिम पुरुष बिना किसी जवाबदेही के एकतरफा तलाक देकर फायदे में रहते हैं। विरासत के मामले में मुस्लिम महिला को पुरुषों के मुकाबले आधा अंश ही मिलता है। उन्हें कृषि भूमि में हिस्सा ही नहीं मिलता। हालांकि कुछ राज्यों में यह कानून बदला गया है। मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत मुस्लिम महिलाएं तलाक के बाद गुजारा भत्ता की हकदार नहीं थीं, परंतु सुप्रीम कोर्ट ने अपराध दंड संहिता की धारा 125 के तहत मुस्लिम महिलाओं को भी यह हक दिया है। वहीं कुछ कुरीतियां जैसे कि हलाला अभी खत्म नहीं हुई है। बाल विवाह भी निजी कानून का हिस्सा रहा है, लेकिन नए बाल विवाह निषेध (संशोधन) अधिनियम के बाद मुस्लिम समुदाय को भी नए नियम का पालन करना होगा। समाज में महिलाओं की स्थिति को देखते हुए डा. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि वे किसी भी समाज की प्रगति को वहां की महिलाओं की स्थिति से मापते हैं। यदि हम किसी भी समाज का उत्थान चाहते हैं तो हमें उस समाज की महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में कार्य करना होगा। इसके लिए मजबूत विधिक प्रणाली कीआवश्यकता है, जो महिला हितों की रक्षा कर सके और उन्हें बराबरी का हक और न्याय दिला सके। साफ है कि समान नागरिक संहिता की सबसे ज्यादा जरूरत मुस्लिम समुदाय को है। ध्यान रहे जिस समुदाय में कानूनी तौर पर महिलाओं को बराबरी का अधिकार प्राप्त न हो, वहां सामाजिक न्याय की बात तो सोची भी नहीं जा सकती। अगर मुस्लिम समाज अपने रूढ़िवादी सोच को त्याग कर मुख्यधारा में जगह बनाना चाहता है और अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर करना चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी महिलाओं को बराबरी का दर्जा देना होगा। समान नागरिक संहिता इसकी एक बेहतरीन शुरुआत हो सकती है। हालांकि इसके लिए सरकारों को सबसे पहले समान नागरिक संहिता के प्रति मुस्लिम महिलाओं के कुछ भ्रमों को दूर करना चाहिए। समान नागरिक संहिता को लेकर मुस्लिम समाज के भीतर एक तरह का डर बैठा हुआ है। सरकार को इस पर खुलकर बात करने की जरूरत है। इसलिए और, क्योंकि अफवाहें फैलाई जा रही है। इसके चलते कुछ लोगों को लगता है कि समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद उनकी शादी करने का तरीका बदल जाएगा या फिर वे अपने अंतिम संस्कार के मौजूदा तरीके को नहीं निभा पाएंगे। इसी तरह कुछ लोगों को यह लगता है कि उन्हें अपनी वेश-भूषा बदलने को मजबूर किया जाएगा, जबकि समान नागरिक संहिता का इनसे कोई लेना देना ही नहीं है। यह तो सिर्फ वह कानून है जिसके जरिये यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी के भी साथ कोई अन्याय न हो सके। मुस्लिम महिलाओं को यह खास तौर पर समझना होगा कि आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड जैसे संगठन हमेशा समान नागरिक संहिता का विरोध करेंगे और उसे गैर इस्लामिक बताएंगे, क्योंकि उनके अस्तित्व का सवाल है। शायद इसीलिए आज तक मुस्लिम पर्सनल ला को संहिताबद्ध नहीं किया गया है। यह समझा जाना चाहिए कि जैसे माडल निकाहनामा में तत्काल तीन तलाक न देने के प्रविधान शामिल किए गए हैं, उसी तरह की व्यवस्था समान नागरिक संहिता में भी की जा सकती है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि धर्म हमारा व्यक्तिगत मामला होना चाहिए, न कि सियासी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणा सार्वजनिक नहीं की जा सकती मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी जानकारी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के गेट पर मार्च में प्रदर्शन के दौरान हुई तोड़फोड़ की जांच पर दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट को याचिकाकर्ता व आप विधायक सौरभ भारद्वाज को देने के अनुरोध को दिल्ली हाई कोर्ट ने ठुकरा दिया।दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई पर पेश स्थिति रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए पीठ ने पुलिस को नई रिपोर्ट पेश करने

का निर्देश दिया था। कोर्ट के निर्देश पर डीसीपी (उत्तरी जिला) ने सीलबंद रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि निर्णय लिया गया है कि सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन पर किसी भी विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी और संबंधित सड़क के प्रवेश व निकास पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई के बाबत यह जानकारी भी कोर्ट को दी है कि इस पूरे में मामले में अब तक कुल आठ आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि 20 अन्य को नोटिस दिया गया है। आरोपपत्र दाखिल करना बाकी है। पीठ ने पुलिस को मामले में आगे की जांच कर एक और स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

सेक्टर 42 मे विशाल भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। श्री शनिदेव मंदिर मेन दादरी रोड सेक्टर 42 पर शनिवार को हवन-पूजन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा श्री शनिदेव का मंदिर स्थापित है तथा क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में प्रति शनिवार को यहां आकर श्री शनिदेव के प्रति आस्था प्रकट करते हैं, व प्रसाद चढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि प्रति शनिवार को यहां आनेवाले भक्तों के कष्टों का निवारण

इकाई तथा मां अहिल्या सेवा संस्थान के तत्वाधान में संपन्न हुआ। बता दें कि श्री शनिदेव मंदिर मेन दादरी रोड, थापर पेट्रोल पंप के सामने अगाहपुर के पास सेक्टर 42 पर कोरोना काल के बाद पहली बार विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में स्त्री,पुरुष, बच्चे शामिल हुए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष नरेश कुच्छल व मां अहिल्या सेवा संस्थान के प्रमुख केशव पंडित (ज्योतिषाचार्य) ने बताया कि कोरोना काल के बाद यहां पुनः विशाल भंडारा शुरू किया गया है। यहां होता है। इस मौके पर व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से अध्यक्ष नरेश कुच्छल, चेयरमैन राम अवतार सिंह, दिनेश महावर, मनोज भाटी, संदीप चौहान, सत्यनारायण गोयल, राधेश्याम गोयल मूलचंद गुप्ता, पीयूष वालिया तथा मां अहिल्या सेवा संस्थान की तरफ से श्याम सुंदर मिश्रा, केशव पंडित (गुरुजी), विनय मिश्रा, उमेश पंडित, सुनील पंडित, आर एस नागर, कमल सिंह चौहान, दीपक चौहान, बलबीर सिंह, एस के मिश्रा, आलोक चौहान, पूनम पंडित, निशा पंडित, विशाल पंडित, विपुल पंडित सहित अनेक गणमान्य शामिल रहे।

पत्रकारों ने ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब मंगलम अस्पताल द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में कराया कराया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब ने आज मंगलम अस्पताल दादरी के साथ मिलकर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में प्रेस क्लब के सदस्यों व उनके परिवार वालों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें लगभग 50 मीडियाकर्मियों एवं उनके परिवार वालों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया । ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब के महासचिव कपिल शर्मा ने बताया मीडिया कर्मियों की भागदौड़ और तनाव भरी दिनचर्या के मद्देनजर ईसीजी, रक्त की व्यापक जांच, ब्लड शुगर, वजन , ऑक्सीजन लैवल की जांच की गइ मंगलम अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. सुधीश मिश्रा ने चिकित्सा परामर्श दिया। उन्होंने परीक्षण कराने एवं परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार उपचार कराने की सलाह दी और पत्रकारों से कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते मानसिक तनाव, अनियमित जीवनशैली, लोगों की सेहत पर तेजी से असर डाल रहा हैं। नतीजा उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय, गुर्दे आदि के रोगी तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने सलाह दी

कि स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है हम अपनी जीवनशैली बदलें और यथासंभव तनाव से बचें। शारीरिक मेहनत को अपनी दिनचर्या का नियमित हिस्सा बनाएं व खानपान नियंत्रित रखें। इस मौके पर ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब के अध्यक्ष धर्मेंद्र चंदेल ने कहा जिस तरह से पत्रकारों की अनियमित जीवनशैली उनके स्वास्थ्य पर असर डाल रही है, मंगलम अस्पताल ने पत्रकारों के लिए सोचा वो धन्यवाद के हैं। पत्रकारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए उन्होंने मंगलम अस्पताल का आभार प्रकट किया। मंगलम अस्पताल के निदेशक उमेश शर्मा व संजीव कंसल (समाजसेवी) ने कहा जब भी किसी पत्रकार को अस्पताल की सेवा की जरूरत हो , उनका अस्पताल हमेशा सेवा के लिए उपलब्ध है। पत्रकारों के स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं को दूर करने के लिए अस्पताल सदैव तत्पर रहेगा इस मौके पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष ब्रजेश भाटी, कोषाध्यक्ष विशाल धर दुबे, महकार भाटी, रोहित प्रियदर्शन, रविंदर जयंत, मनोज भाटी , अशोक तोंगड़ , अमित भाटी , अरविन्द मिश्रा, श्यामवीर चावड़ा, नवीन भाटी , जे.पी शर्मा, तरुण भड़ाना, सीएल मौर्या, देवेंद्र शर्मा , खालिद सैफी , राकेश त्यागी, सुंदर लाल शर्मा, लक्ष्मी , प्रिंस आदि प्रेस क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

गौतम बुद्ध नगर भाजपा कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भाजपा गौतम बुध नगर कार्यकारणी की एक बैठक केन्द्र सरकार के 8 वर्ष पुरे होने के अवसर पर आगामी कार्यक्रमों को लेकर पर (सेवा सुशासन और गरीब कल्याण)के नाम से 75 घंटे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है इस कार्यक्रम में प्रदेश क्षेत्र जिला मंडल के सभी पदाधिकारी एवं अन्य

आयोजित की गयी । बैठक आगामी कार्यक्रमों के संयोजक जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज व जिला सह संयोजक पवन रावल सत्यपाल शर्मा ने आगामी कार्यक्रमों के विधानसभा मंडल संयोजकों के साथ बैठक कर कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए रूपरेखा तय्यारी की बैठक में जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज ने बताया कि सभी कार्यकर्ता इन कार्यक्रमों में भाग लेंगे उन्होंने बताया कि माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आठ साल पूर्ण होने जनप्रतिनिधियों को प्रत्येक दिन 8 घंटे तक जिला विधान सभा वार्ड बूथ पर जाकर सेवा आधारित गतिविधियों में सहभागिता करनी है इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज पवन रावल सत्यपाल शर्मा जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य मंडल अध्यक्ष मनोज भाटी रवि भदोरिया राजेंद्र भाटी जगदीप नागर महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी तोमर पिंकू भाटी श्यामवीर भाटी गोपाल सिंह आदि दर्जनो कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

युवती ने किया एलिवेटेड से कूदने का प्रयास, फोटो वायरल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। एक युवती ने एलिवेटेड रोड से कूदने का प्रयास किया है। इसका एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस फोटो में युवती के साथ दो युवक भी नजर आ रहे हैं। हालांकि जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, वहां कोई नहीं मिला एक फैक्टरी संचालक रात करीब एक बजे कार से अपने घर जा रहे थे। जब वह एलिवेटेड रोड के नीचे पहुंचे तो उनकी नजर एलिवेटेड पर ऊपर गई। युवक ने बताया कि एलिवेटेड से एक युवती नीचे कूदने का प्रयास कर रही थी। उसके पास दो युवक भी खड़े थे। इसको लेकर युवक ने तीनों की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पुलिस से मदद करने की गुहार लगाई। युवक का कहना है कि पुलिस ने कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। जब वह जीआईपी पुलिस चौकी पर पहुंचे तो यहां पूरे मामले की जानकारी दी। यहां पर युवक से कहा गया कि वह उनका थानाक्षेत्र नहीं है। हालांकि युवक का ट्विट देखने के बाद पुलिस आयुक्त कार्यालय की तरफ से जांच करने के आदेश दिए गए। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कोई नहीं मिला। युवक और युवती एलिवेटेड से जा चुके थे।

तिलपता गांव में राम कथा राम वन गमन प्रसंग सुन भाव विह्वल हुए श्रोता

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। तिलपता गांव में श्री सिद्ध पीठ मंदिर मंदिर परिसर में चल

रहे आठ दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा में कथा वाचक मदन मोहन जी महाराज ने अपनी मधुर वाणी से राम वन गमन की मार्मिक कथा सुनाकर भक्तों को भाव विह्वल कर दिया। राम वन गमन की चर्चा करते हुए कथा वाचक ने कहा कि कैकेयी के वरदान पर जब राम को वनवास हुआ तो वे वल्कल वस्त्र में सीता और लक्ष्मण के साथ वन की ओर चले तो पूरी अयोध्या उनके साथ चल पड़ी। कहा कि वनगमन के समय राम सीता और लक्ष्मण ने पहली रात तमसा नदी के तट पर बिताई। कहा कि राम वन गमन के छठवें दिन राम के वियोग में राजा दशरथ ने अपने प्राण त्याग दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र बाबू शर्मा सलाहकार गृह मंत्रालय भारत सरकार रहे। इसके अलावा एस.के शर्मा इंस्पेक्टर, सीआरपीएफ कैंप गौतम बुध नगर , न्यायाधीश अनिल कुमार गुप्ता, आईएएस महेंद्र प्रसाद सचिव मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण रहे।

8 साल से नहीं बढ़ा प्रदेश के मजदूरों का न्यूनतम वेतन- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, श्रमिक उत्पीड़न एवं मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सीटू द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) का 52 वां स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पार्क में बीएल इंटरनेशनल उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा के कर्मचारियों की आम सभा सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त सचिन, अमित,, राजेन्द्र, अनिता, शिवा, रेनू,, प.दीप, संगीता, देवेन्द्र आदि ने संबोधित किया और बी एल कंपनी के कर्मचारियों को कंपनी प्रबंधकों के खिलाफ एकता बंद होकर लड़ने के लिए प्रेरित किया। सभा में समापन भाषण करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले 8- 10 सालों से मजदूरों के वेतन का पुनरीक्षण नहीं किया है तथा श्रमिकों को समस्याओं के समाधान की पहल किसी भी स्तर

शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आम सभा को संबोधित करते हुए सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य महासचिव अनुराग सक्सेना ने सरकारों की श्रमिक विरोधी नीतियों के कारण मेहनतकश अवाम की बढ़ती परेशानियों को रेखांकित करते हुए मजदूरों से एकजुट होकर संघर्ष के मैदान में आने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि 30 मई को सीटू का 52 वां स्थापना दिवस है जिसे पूरे देश में एकता व संघर्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा आम सभा को सीटू जिला महासचिव रामसागर,अनमोल इंडस्ट्रीज एंप्लाइज यूनियन के अध्यक्ष मुकेश कुमार राघव, मानी ताऊ इंप्लाइज यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद फिरोज खान, महामंत्री संतोष कुमार, बीएल इंटरनेशनल कंपनी के कर्मचारी नेता पूनम, महेश, धर्मेंद्र, निशा झा, ममता, नीटू, शिवानी, चांदनी, राजकुमार, पर नहीं हो रही है जो प्रदेश सरकार की मजदूर विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में मजदूरों को न्यूनतम वेतन ?9000 के आसपास है जबकि दिल्ली के मजदूरों का न्यूनतम वेतन ?16000 से भी अधिक है। बार-बार मांग करने पर भी उत्तर प्रदेश सरकार मजदूरों का वेतन बढ़ाने को तैयार नहीं है उपरोक्त हालात के खिलाफ सीटू मजदूरों को संगठित कर के बड़े आंदोलन की तैयारी में जुटी है। साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सीटू का स्थापना दिवस 30 मई 2022 को शाम 5:00 बजे जूनियर हाई स्कूल पार्क सरकारी अस्पताल के सामने गांव बरौला सेक्टर- 49, नोएडा पर आम सभा व दिल्ली जन नाट्य मंच के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से मनाया जाएगा। जिसमें मजदूर साथियों से शामिल होने की उन्होंने अपील किया।

रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेनो द्वारा आई आई एम टी कॉलेज में लगाये गये रक्तदान शिविर में 107 विद्यार्थियों ने किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन आईआईएमटी ग्रुप ऑफ जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर कॉलेज कैम्पस में शिविर लगाने की अनुमति प्रदान की। अध्यक्ष अमित राठी ने बताया कि प्राप्त रक्त से सैकड़ो लोगो की मदद की जा

कॉलेज में लगाया गया जिसमें कुल 162 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन किया जिसमें से 107 बच्चों ने स्वेच्छिक रक्तदान किया। पूर्व अध्यक्ष रो0 सौरभ बंसल ने बताया कि इस समय ब्लड बैंक में खून की कमी चल रही थी जिसे पूरा करने के लिये आई आई एम टी कॉलेज के एम. डी. श्री मयंक अग्रवाल से शिविर लगाने का अनुरोध किया सकेगी। कैम्प में आई आई एम टी ग्रुप के डायरेक्टर उमेश कुमार, डॉ0 अविन बख्शी, डॉ0 मल्लिकार्जुन बी. पी., डॉ0 मोनिका रस्तोगी, डॉ0. पुष्पेंद्र जैन, फैकल्टी धीरज कुमार, दिलीप रावल, विपिन भाटी का विशेष सहयोग रहा। क्लब की ओर से अतुल जैन, विजय शर्मा, शैलेश वार्ष्णेय, मनोज गुप्ता एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 30 मई 2022- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती वंदना वैद्य ने त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के मद्देनजर मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण अधिनियम 1994 की धारा 3 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि शहडोल जिले के जनपद पंचायत क्षेत्र (ब्योहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, सोहागपुर एवं बुढ़ार) में राजनैतिक पार्टियों तथा व्यक्तियों द्वारा जुलूस, जनसंपर्क, आमसभाएं इत्यादि राजनैतिक गतिविधिया तेजी से प्रारंभ कर दी गई है, जिसमें शासकीय परिसम्पत्तियों को नारे, पम्पलेट्स, फ्लैक्स, झण्डे लगाकर विरूपित करने का प्रयास किया जा सकता है। विभिन्न व्यक्तियों, राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव प्रचार करने के लिए शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर नारे लिखे जाने की संभावना है, जिससे शासकीय सम्पत्ति का स्वरूप विकृत हो जाता है। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाये जाने की आवश्यकता है, कोई भी जो सम्पत्ति के स्वामी की लिखित अनुज्ञा के बिना, सार्वजनिक दृष्टि में आने वाली किसी सम्पत्ति को स्याही, खड़िया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिखकर या चिन्हित करके उसे विरूपित करेगा वह जुर्माने से जो एक हजार रूपये तक का हो सकेगा दण्डनीय होगा, इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय कोई भी अपराध संज्ञेय होगा। कलेक्टर ने म0प्र0 सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कहा है कि चुनाव प्रचार के दौरान यदि विभिन्न राजनैतिक दलों अथवा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा किसी शासकीय एवं अशासकीय भवन की दीवालों पर किसी भी प्रकार के नारे लिखकर विकृत किया जाता है, विद्युत एवं टेलीफोन के खम्भों पर झंडियों लगाई जाती है अथवा ऐसे पोस्टर एवं बैनर लगाकर सम्पत्ति को विकृत किया जाता है तो उस स्थिति में ऐसे पोस्टर एवं बैनर हटाने के लिए तथा चुनावी नारे मिटाने के लिये जिले के पंचायत निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक थाने में सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता तत्काल प्रभाव से पदस्थ किया जाता है, इस दस्ते में संबंधित स्थानीय निकाय एवं लोक निर्माण विभाग के स्थायी गैंग के पर्याप्त संख्या में कर्मचारी पदस्थ रहेंगे। यह लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता टीआई0, थाना प्रभारी के सीधे देखरेख में कार्य करेगा। इस दस्ते को सहयोग देने के लिये और स्थल पर जाकर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिये सम्बन्धित थाने का एक सहायक उप निरीक्षक पुलिस मुख्यालय पटवारी एवं स्थानीय निकाय का एक कर्मचारी की ड्यूटी लगायी जाती है। इस दस्ते को एक वाहन भी उपलब्ध कराया जाये, जिस पर लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता का बैनर लगा होना चाहिये। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस दस्ते को लोक सम्पत्ति को विरूपण से बचाने के लिये सभी आवश्यक सामग्री जैसे गेरू, चूना, कूची, बास एवं सीढ़ी आदि उपलब्ध कराई जाये। जारी आदेश जारी में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति अभ्यर्थी द्वारा किसी निजी सम्पत्ति को बिना उसके स्वामी की लिखित सहमति के विरूपित किया जाता है तो निजी सम्पत्ति के स्वामी द्वारा सम्बन्धित थाने में सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता निजी सम्पत्ति को विरूपण होने से बचाने की कार्यवाही करेगा एवं थाना प्रभारी संबंधित प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर विधिवत जांच कर सक्षम न्यायालय में चालान प्रस्तुत करेंगे, थाना प्रभारी लोक सम्पत्ति विरूपण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को एक पेजी में पंजीबद्ध करेंगे तथा शिकायत की जांच कर तथ्य सही पाये जाने पर लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करेंगे।

किंग महेंद्र की जगह अनिल हेगड़े, आरसीपी सिंह की जगह खीरू

पटना। पार्टी कार्यकर्ताओं को तरजीह दिए जाने की लकीर को जदयू ने और लंबा कर दिया है। इस बारे में सभी तरह के समीकरण को नजरअंदाज कर निर्णय लिया गया। दिलचस्प यह भी रहा कि

जिन दो लोगों को जदयू ने राज्यसभा भेजे जाने का फैसला लिया वे बिहार के रहने वाले भी नहीं हैं। योग्यता सिर्फ यह कि पार्टी के लिए कई दशकों से काम करते रहे हैं। राज्यसभा की दो सीटों पर जदयू ने जिन दो प्रत्याशियों के नाम का एलान किया वह समता पार्टी के जमाने से ही नीतीश कुमार से जुड़े हैं। अनिल हेगड़े की तरह खीरू महतो भी लंबी अवधि से पार्टी के लिए काम करते रहे हैं। लंबी अवधि तक जदयू के राज्यसभा सदस्य रहे उद्योगपति किंग महेंद्र के निधन से रिक्त हुई सीट पर जदयू किसे भेजेगा इस पर राजनीतिक गलियारे में खूब चर्चा हुई। नीतीश कुमार ने इस सीट को लेकर जो निर्णय किया वह चौंकाने वाला रहा। किसी को इस बात का एहसास ही नहीं था। सभी तरह के जातिगत व राजनीतिक समीकरण को ताक पर रखते हुए उन्होंने पार्टी के लिए लंबी अवधि से काम करने वाले अनिल हेगड़े को राज्यसभा भेजने का फैसला कर लिया।

नियमों पर खरे नहीं उतरे डीडीए के फ्लैट

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के फ्लैट दिल्लीवासियों को तो लुभाने में नाकाम हो रहे रहे हैं, रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) के नियमों पर भी खरे नहीं उतर रहे। यही वजह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद डीडीए का कोई भी हाउसिंग प्रोजेक्ट रेरा से पंजीकृत नहीं हो पाया है। हालांकि डीडीए की कोशिशें जारी हैं। रेरा दिल्ली में अपने हाउसिंग प्रोजेक्ट को पंजीकृत करवाने की प्रक्रिया डीडीए ने वर्ष 2019 में शुरू की थी। इसके बाद से अब तक डीडीए पांच हाउसिंग योजनाएं ला चुका है, लेकिन इनमें से कोई योजना रेरा में पंजीकृत नहीं हो सकी। नियमानुसार सभी बिल्डरों और सरकारी एजेंसियों को अपने रिहायशी प्रोजेक्ट की पूरी जानकारी रेरा को देनी होती है और उसमें पंजीकरण भी करवाना होता है।बताया जाता है कि इस समय भी डीडीए के एक दर्जन से अधिक प्रोजेक्ट रेरा के पास पंजीकरण के लिए लंबित है। पिछले साल 20 दिसंबर को हुई एक सुनवाई में डीडीए के 14 लंबित मामलों के आवेदन को रेरा ने अस्वीकृत भी कर दिया था।

चौधरी चरण सिंह किसानो के मसीहा थे- राघवेन्द्र दुबे

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 82 पॉकेट 7 में आज किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की पुण्य तिथि मनाई गई। इस अवसर पर सपा नोएडा ग्रामीण के जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ चौधरी साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनकी संघर्षपूर्ण जीवन गाथा पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। सपा नोएडा ग्रामीण के महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि साधारण किसान परिवार में जन्में चौधरी चरण सिंह ने अपनी संघर्ष एवं नेतृत्व क्षमता की बदौलत देश के पांचवें प्रधानमंत्री के रूप में पद को सुशोभित किया।

उन्होंने गांधी जी से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वकालत की पढ़ाई के बाद उन्होंने उन गरीबों की निशुल्क कानूनी मदद की जिन पर मुकदमा लड़ने के लिए पैसे नहीं होते थे। चौधरी साहब ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए जीवन भर संघर्ष किया। किसान, मजदूर, गरीब, नौजवान के हितों के लिए संघर्ष करना और उनकी आवाज बुलंद करना चौधरी साहब के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सपा कार्यकारिणी सदस्य पंकज झा, जिला सचिव रवि राघव, संजय शुक्ला, हंस मणि शुक्ला, शिव झा, तुलकान्त चौधरी, आशुतोष झा, सुशील पाल, विनय सिंह सहित तमाम पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फिल्मी है 'कॉमेडी किंग' की लव लाइफ जानें उनकी जिंदगी से जुड़े रोचक तथ्य

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। चाहे कॉमेडी हो, गंभीर किरदार हो या फिर खलनायकी, उन्होंने अपने हर किरदार को पर्दे पर बखूबी निभाया है। परेश रावल आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। परेश रावल को लोगों ने हर तरह के किरदार में देखा और पसंद भी किया है। वह फिल्मों में अपनी बोहतारीना अदाकारी के लिए नेशनल अवार्ड और पद्मश्री से सम्मानित भी हो चुके हैं। उनकी लव लाइफ भी

काफी इंटरेस्टिंग रही है। परेश रावल का जन्म 30 मई 1955 को मुंबई में हुआ था। उनकी शादी स्वरूप संपत से हुई है। वह भी एक एक्ट्रेस हैं। साथ ही वह साल 1979 की मिस इंडिया कॉन्टेस्ट की विजेता रह चुकी हैं। उनके दो बच्चे हैं। पढ़ाई की बात करें तो अभिनेता ने मुंबई के विले पार्ले स्थित नर्सी मूंजी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से हुई है। अभिनेता की लव लाइफ भी फिल्मी रही है। उन्होंने एक बार इंटरव्यू में खुद इसका खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह कैसे अपने ही बॉस की बेटी से ही प्यार कर बैठे थे, और उन्होंने सोच लिया था कि इस लड़की से शादी भी करनी है। परेश रावल ने इसका जिक्र अपने दोस्त से किया था। परेश रावल ने स्वरूप संपत से प्यार होने के बाद उन्हें शादी के लिए प्रपोज कर दिया था। इसके बारह साल बाद परेश रावल और स्वरूप संपत की शादी हुई। अभिनेता ने कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई है फिर चाहे वह 'हेरा फेरी' में बाबूराव गणपतराव आप्टे की भूमिका हो या वेलकम में डॉक्टर घुंघरू हो परेश रावल ने कई फिल्मों में सशक्त अभिनय किया है और दर्शकों के मन पर अमिट छाप छोड़ी है परेश रावल फिल्मों के अलावा राजनीति में भी काफी सक्रिय है परेश रावल पिछले तीन दशक से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं वह किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखते रहते हैं। परेश रावल फिल्म निर्माता, अभिनेता, कॉमेडियन और सांसद भी रह चुके हैं वह 2014 से लेकर 2019 तक अहमदाबाद से सांसद थे उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर जीता था वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी बड़े समर्थक माने जाते हैं उन्होंने कई मजेदार फिल्मों में काम किया है इनमें गोलमाल फन अनलिमिटेड यह फिल्म लोगों की काफी पसंदीदा फिल्म है इसमें परेश रावल ने सोमनाथ की भूमिका निभाई है जो कि एक दिव्यांग होता है इसमें 'क्यों आगे पीछे डोलते हो' नामक लोकप्रिय गाना भी उनपर फिल्माया गया था इसमें उनकी पत्नी की भूमिका सुष्मिता मुखर्जी ने निभाई हैत् भागम भाग फिल्म में भी परेश रावल ने अहम भूमिका निभाई है फिल्म में उन्होंने चंपक उर्फ़ चंपू चतुर्वेदी की भूमिका निभाई हैत् इसके अलावा वह भूल भुलैया में भी नजर आए थेत् यह एक साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है फिल्म में उन्होंने बटु शंकर उपाध्याय की भूमिका निभाई थी फिल्म हेरा फेरी में भी वह नजर आए थे यह फिल्म आज भी काफी पसंद की जाती है।

जल्द ही सुपरहिट होने वाली है कार्तिक आर्यन की ये फिल्म 10वें दिन की बंपर कमाई

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 2' बॉलीवुड के लिए राहत की खबर लेकर आई हैं। काफी अरसे बाद कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 10 दिनों के अंदर ही 100 करोड़ को तीर की तरह पार करके आगे निकली है। कार्तिक

आर्यन और कियारा आडवाणी-स्टारर दर्शकों को इतनी पसंद आई कि इसने रिलीज के 10वें दिन भी 10 करोड़ से ऊपर का बिजनेस किया है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित, 'भूल भुलैया 2' पिछले हफ्ते 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ये फिल्म ब्लॉकबस्टर बनने की तरफ तेजी से बढ़ रही। इस हॉरर कॉमेडी को रिलीज हुए 10 दिन से ज्यादा हो चुके हैं और बॉक्स ऑफिस पर इसने ताबड़तोड़ कमाई का सिलसिला जारी रखा है। 'भूल भुलैया 2' इस साल की अब तक की सबसे सफल हिन्दी फिल्मों में से एक है। साथ ही ये कार्तिक आर्यन की भी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इस साल की शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर साउथ फिल्मों का दबदबा रहा है। पर अनीस बज्मी की फिल्म ने इस तथ्य को पलटकर रख दिया। शुरुआती ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने 10 दिन में लगभग 13 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, जिससे इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगभग 122 करोड़ रुपए हो गया। 'भूल भुलैया 2' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग मिली थी, इस फिल्म के आगे कंगना रनोट की 'धाकड़' भाप की तरह उड़ गई। दूसरे वीकेंड में भी कार्तिक आर्यन की फिल्म ने खुद को साबित किया। 'भूल भुलैया 2' ने दूसरे रविवार को कलेक्शंस में शानदार बढ़त दर्ज की। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, हॉरर कॉमेडी ने अपने 10वें दिन 12.50 से 13.50 करोड़ रुपए की रेंज में कलेक्शन किया है। इसलिए, कुल संग्रह अब लगभग 122 करोड़ रुपए हो गया है। 'भूल भुलैया 2' ने रविवार को सुबह और दोपहर के शो के दौरान लगभग 70 प्रतिशत की ऑक्यूपेंसी दर्ज की। हालांकि रात के शो आईपीएल फाइनल से प्रभावित रहे।

अशनूर कौर बनी 'वाटर बेबी', पटियाला बेब्स का स्विमसूट में बोल्ड अंदाज देख फैंस ने कहा

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया वेकेशन की तस्वीरें शेयर की है उन्होंने एक स्विमिंग पूल के किनारे बैठकर बोल्ड पोज दिया है इसमें उन्हें

स्किन टाइट स्विमवियर पहनकर पोज करते हुए देखा जा सकता है पहली फोटो में उनके साथ एक कुत्ता भी नजर आ रहा है इसकी बाद की फोटो में अशनूर कौर बोल्ड अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही है इसमें उनका स्लिम और टोंड फिगर भी नजर आ रहा है अशनूर कौर की फोटो वायरल हो गई है वहीं इसकी बाद की फोटो में उन्हें गई है इसे दो लाख से ज्यादा लाइक मिल चुके हैं वहीं इस पर 1500 से ज्यादा कमेंट किए गए हैं कई लोगों ने इस पर दिल और आग की इमोजी शेयर की है वहीं कई लोगों ने अशनूर कौर की फोटो पर मजेदार कमेंट किए है एक फैन ने लिखा है, 'हैप्पी वेकेशन अशनूर एक ने लिखा है, 'दू क्यूट इन वन फ्रेम एक ने ब्यूटीफुल लिखा है एक ने लिखा है, 'सुंदरी' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'बेबी द क्यूटेस्ट' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'स्टॉप बिंग सो क्यूट अशनूर कौर टेलीविजन एक्ट्रेस हैं उन्होंने कई टेलीविजन शो में काम किया है इसमें झांसी की रानी, यह रिश्ता क्या कहलाता है और पटियाला बेब्स शामिल है इसके अलावा वह संजू ऑन मनमर्जियां नामक फिल्म में भी नजर आ चुकी है अशनूर कौर अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है इसे लेकर उनके फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैं उनकी तस्वीरें और वीडियो काफी वायरल होती है।

आदित्य नारायण को आयी नन्हीं तविशा की याद.....

नई दिल्ली। गायक से अभिनेता बने आदित्य नारायण अभी सुपरस्टार सिंगर 2 की शूटिंग में काफी ज्यादा व्यस्त हैं और अक्सर लाइव शो के लिए घर से दूर अलग-अलग स्थानों की यात्रा पर रहते हैं। इन दिनों अपनी नन्हीं बेटी तविशा और पत्नी श्वेता को बहुत ज्यादा मिस कर रहे हैं। आदित्य ने अपनी प्यारी सी बेटी का एक मनमोहक वीडियो इंस्टाग्राम

अकाउंट पर शेयर किया है। बता दें कि आदित्य फिलहाल अपने परिवार से दूर हैं और उन्होंने कैप्शन में अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने लिखा कि वह पत्नी श्वेता और बेटी को कितना मिस कर रहे हैं। वीडियो में लाल रंग की पोशाक पहने आदित्य और श्वेता की बेटी को किसी की गोद में बैठे देखा जा सकता है। वह बहुत ही प्यारी लग रही है। वीडियो को शेयर करते हुए आदित्य ने लिखा- पापा को मम्मी और हमारी नन्हीं मार्शमैलो की याद आती है गायक ने अपनी बच्ची तविशा को प्यार से 'मार्शमैलो' कहा। जैसे ही आदित्य ने वीडियो पोस्ट किया, उनके दोस्तों और शुभचिंतकों ने कमेंट सेक्शन को मीठे संदेशों से भर दिया। उनकी करीबी दोस्त भारती ने भी दिल वाले इमोजी के साथ वीडियो पर प्रतिक्रिया दी। हाल ही में, आदित्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी बेटी के चेहरे का खुलासा किया था जब वह तीन महीने की थी। राम लीला गायक पितृत्व के चरण का पूरी तरह से आनंद ले रहा है और इसका एक भी पल मिस नहीं करना चाहते। हाल ही में, आदित्य ने एक इंटरव्यू में पितृत्व के बारे में बात की थी, उन्होंने कहा, ठपितृत्व एक बहुत ही सुंदर और अद्भुत एहसास है। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं कि मेरी पतनी ने मुझे दो सुंदर उपहार दिए। पहले उसने मुझसे शादी की और फिर उसने मुझे एक बच्ची दी। तविशा प्यारी है और जब भी मैं उसे अपनी बाहों में लेता हूं तो मैं उत्साहित महसूस करता हूं। अब मेरे लिए चीजें बदल गई हैं। आज कल मुझे घर जाने की बहुत जल्दी होती है ये थोड़ा सा नया है। इन दिनों मैं हमेशा थोड़ी जल्दी में होता हूं, खासकर जब दिन खत्म हो रहा हो, मैं बेचैन हो जाता हूं।

'पुष्पा' की 'श्रीवल्ली' ने 'रॉकीं भाई' के लिए कहा कुछ ऐसा, भड़के फैंस ने जमकर सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली। केजीएफ चैप्टर 2 की रिलीज के बाद से ही यश एक पैन इंडिया स्टार बनकर उभरे हैं। देश के उनकी फैन फॉलोइंग अब पूरे वर्ल्ड में हो गई है। पहले एंग्री यंग नाम से फेमस हुए यश अब

नेशनल क्रश बन गए हैं। ऐसे में उन्हें कोई कुछ कहे ये फैंस कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। ऐसी ही गलती पुष्पा- द राइज की श्रीवल्ली ने कर दी फिर जो हुए उसे वो आजतक भुला नहीं पायी हैं। केजीएफ 2' ने बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है दरअसल, 'केजीएफ' स्टार यश ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में कनन्ड़ फिल्म जंबाडा हुदुगी से की, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। तो वहीं रश्मिका मंदाना ने साल 2016 में फिल्म 'किरिक पार्टी' से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। अपने डेब्यू के एक साल बाद ही रश्मिका ने यश को शो ऑफ करने वाला एक्टर कह दिया था, जिसके बाद यश के फैंस भड़क गए और उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई थी हुआ ये कि, एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका से पूछा गया कि कनन्ड़ फिल्म इंडस्ट्री में मिस्टर शो ऑफ कौन है? उन्होंने इस सवाल के जवाब में तुरंत यश का नाम लिया, जो एक्टर के फैंस को पसंद नहीं आया और वो रश्मिका मंदाना पर बुरी तरह भड़क गए। लोगों का कहना था कि रश्मिका जानबूझकर उनके हीरो का मजाक उड़ा रहे हैं। इसमें से कई ऐसे थे जिन्होंने रश्मिका को घमंडी तक कह दिया था। इस मामले को बढ़ता देख रश्मिका ने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिख यश के फैंस से माफी भी मांगी थी। उन्होंने लिखा, 'मैंने यश सर या फिर किसी का अनादर नहीं किया। मैंने कई मौके पर यश सर, उनकी प्रतिभा और वह लोगों को कैसे प्रेरित करते हैं, इसकी हमेशा तारीफ की है। दुख की बात है कि मीडिया ने इस बात को नजरअंदाज कर दिया है कि मैंने उस समय 'संथु स्ट्रेट फॉरवर्ड' फिल्म की बात की थी, जिसमें मुझे सबसे ज्यादा मजा आया था। जब आप शो के सबसे नॉन सीरियस हिस्से से केवल दो लाइन को एडिट करके उसे स्पिन करते हैं, तब पूरा सार खो जाता है। यह वाकई दुख की बात की है'।

शुरू हुई अक्षय कुमार की फिल्म की एडवांस टिकट सेल, जानें- ऑनलाइन कैसे बुक करें टिकट

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और रिलीज से ठीक पांच दिन पहले रविवार 29 मई को फिल्म की टिकटों की एडवांस बिक्री शुरू कर दी गयी है। अक्षय ने इसकी सूचना सोशल मीडिया के जरिए दी और सिनेमा के शौकीनों से गुजारिश

की कि वो टिकट बुक करवाना शुरू कर दें। सम्राट पृथ्वीराज हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु में भी रिलीज की जा रही है। इससे पहले गंगूबाई काठियावाड़ी भी दक्षिण भारतीय भाषाओं में रिलीज की गयी थी। फिल्मों के टिकट बेचने वाली वेबसाइटों पर जाकर ऑनलाइन टिकट बुक किया जा सकता है। इसके लिए पेटीएम और बुक माई शो वेबसाइट्स का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिनके लिंक ट्वीट में दिये गये हैं। टिकट बुक करने के लिए वेबसाइट के लिंक पर क्लिक करें और निर्देशों का पालन करते हुए आगे बढ़ें। डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी निर्देशित इस ऐतिहासिक फिल्म में अक्षय सम्राट पृथ्वीराज चौहान के किरदार में नजर आएंगे। अक्षय इससे पहले गोल्ड और केसरी के जरिए इतिहास का सफर कर चुके हैं, मगर यह पहली बार है, जब इतना पीछे गये हों। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सोनू सूद, संजय दत्त और मानुषी छिल्लर मुख्य किरदारों में हैं। मानुषी का यह डेब्यू है। सम्राट पृथ्वीराज से पहले अक्षय कुमार की फिल्म एक्शन-कॉमेडी फिल्म बच्चन पांडेय 18 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म फ्लॉप रही और महज 40 करोड़ का कलेक्शन ही कर सकी। सूर्यवंशी की कामयाबी के बाद अक्षय कुमार के लिए यह बड़ा झटका था, क्योंकि पिछले कुछ सालों में उनकी फिल्में लगातार कामयाब होती रही है और निर्माताओं की नैया पार लगाती रही हैं। इस मायने में सम्राट पृथ्वीराज पर पूरी इंडस्ट्री की निगाहें टिकी हैं। इस फिल्म से बड़े कलेक्शन की उम्मीद की जा रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या धमाल मचाएगी, इसकी अंदाजा काफी हद तक एडवांस टिकट सेल्स से हो जाएगा। फिल्म को बेहतरीन शुरुआत देने में टिकटों की एडवांस बिक्री काफी अहम भूमिका निभाती है, क्योंकि ज्यादातर टिकट ओपनिंग वीकेंड के लिए ही बुक किये जाते हैं। अगर सम्राट पृथ्वीराज के सामने बॉक्स ऑफिस की चुनौतियों की बात करें तो फिल्म कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 ही है, जो दर्शक खींच सकती है। आयुष्मान खुराना की अनेक तो पहले ही बेदम हो चुकी है और 3 जून तक फिल्म का टिका रहना आसान नहीं होगा।

खुलेआम ट्रांस्पेरेंट टॉप पहन बीच पर एंजॉय करती दिखीं उर्फी जावेद

नई दिल्ली। इंटरनेट संसेशन उर्फी जावेद इन दिनों अपने अतरंगी फैशन के चलते चर्चाओं में बनीं हुई हैं। उर्फी कब क्या पहन कर कैमरे के

सामने आ जाएं किसी को पता नहीं। लाइम लाइट में बनें रहने के लिए उर्फी कभी भी कुछ भी कर सकती हैं। उनका अतरंगी फैशन हर बार लोगों को हैरान करता है। वहीं अपने इन्हीं बोल्ड लुक की वजह से उर्फी हर बार ट्रोल्स के निशाने पर रहती है। खैर उर्फी को इन सब बातों का जरा भी फरक नहीं पड़ता है। वह अपने फैंस के लिए अपने हॉट एंड बोल्ड लुक की तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट कर उन्हें ट्रीट देते है। इसी बीच एक बार फिर से उर्फी का एक नया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उर्फी का लुक देख फैंस के होश उड़ रहे है। यहां देखें वीडियो उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम आकाउंट पर अपना एक लेटेस्ट हॉट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक बार फिर से उर्फी अपना बोल्ड स्टाइल मेंटेन करती दिख रही है। आप देख सकते है कि उर्फी बीच पर ब्लैक कलर की ?हॉट डिजाइनर बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। इस बिकिनी को कवर करने के लिए ?उर्फी ने व्हाइट कलर का ट्रांस्पेरेंट टॉप पहना हुआ है। इस टॉप के आर पार सब साथ दिखाई दे हरा है। वहीं उर्फी के बाद ओपन हैं। उर्फी इस वीडियो में गानें को एंजॉय करती हुई बीच पर कातिलाना अदांओ से वॉक करती दिख रही हैं। हमेशा की तरह ही उनका ये वीडियो भी काफी चर्चा में हैं। कुछ यूजर्स को उर्फी का ये लुक काफी पसंद आ रहा है तो कुछ उन्हें फिर से ट्रोल कर रहे हैं। इस वीडियो पर फैंस कमेंट कर उन्हें हॉट, ब्यूटीफुल, ग्लैमरस जैसे कमेंट की अपने रिएक्शन दे रहे हैं।

अशनूर कौर बनी 'वाटर बेबी', पटियाला बेब्स का स्विमसूट में बोल्ड अंदाज देख फैंस ने कहा

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैत् साथ एक कुत्ता भी नजर आ रहा हैत् इसकी बाद की फोटो में अशनूर कौर बोल्ड अंदाज में पोज देती हुई इंजॉय करते हुए देखा जा सकता हैत् अशनूर कौर ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, 'वेकेशन, वाटर ने इस पर दिल और आग की इमोजी शेयर की है वहीं कई लोगों ने अशनूर कौर की फोटो पर मजेदार कमेंट किए हैत् एक फैन ने लिखा है, 'हैप्पी वेकेशन अशनूरत एक ने लिखा है, 'दू क्यूट इन वन फ्रेमत एक ने ब्यूटीफुल लिखा हैत् एक ने लिखा है, 'सुंदरीत वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'बेबी द क्यूटेस्टत वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'स्टॉप बिंग सो क्यूट अशनूर कौर टेलीविजन एक्ट्रेस हैत् उन्होंने कई टेलीविजन शो में काम किया हैत् इसमें झांसी की रानी, यह रिश्ता क्या कहलाता है और पटियाला बेब्स शामिल हैत् इसके अलावा वह संजू ऑन मनमजियां नामक फिल्म में भी नजर आ चुकी हैत् अशनूर कौर अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैत् इसे लेकर उनके फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैत् उनकी तस्वीरें और वीडियो काफी वायरल होती है।

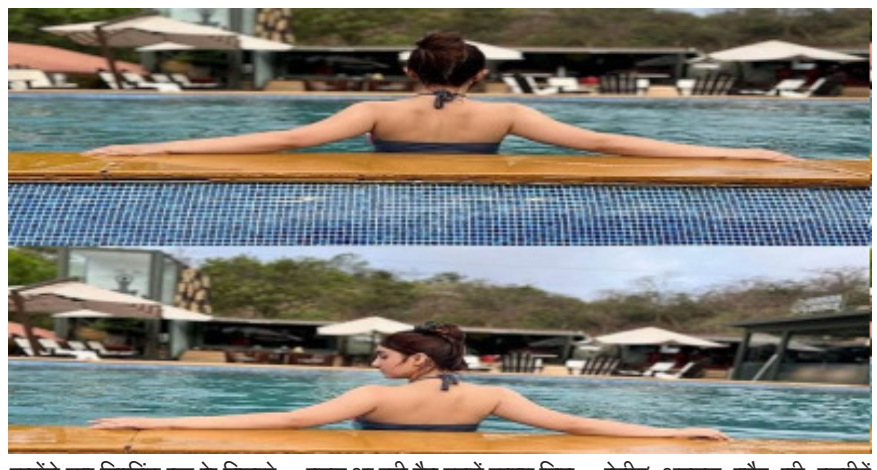

उन्होंने एक स्विमिंग पूल के किनारे बैठकर बोल्ड पोज दिया हैत् इसमें उन्हें स्किन टाइट स्विमवियर पहनकर पोज करते हुए देखा जा सकता हैत् पहली फोटो में उनके नजर आ रही हैत् इसमें उनका स्लिम और टोंड फिगर भी नजर आ रहा है अशनूर कौर की फोटो वायरल हो गई हैत् वहीं इसकी बाद की फोटो में उन्हें स्विमिंग पूल में उतरकर बेबीत अशनूर कौर की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई हैत् इसे दो लाख से ज्यादा लाइक मिल चुके हैत् वहीं इस पर 1500 से ज्यादा कमेंट किए गए हैत् कई लोगों

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।